RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 21 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 4 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मोरबी पुल हादसे में सरकारी अफसर पर एक्शन, चीफफायर ऑफिसर संदीप जाला सस्पेंड

मोरबी (एजेंसी)। गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे में प्रशासन ने पहली बड़ी कार्रवाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीफफायर ऑफिसर संदीप सिंह जाला को निलंबित कर दिया गया है। मामले में किसी सरकारी अफसर के खिलाफ यह पहला बड़ा एक्शन है।

गौरतलब है कि मोरबी में मच्छु नदी के ऊपर ब्रिटिश काल में बना पुल रविवार को गिर गया था। इस घटना में 135 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हादसे में मरने वालों में बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की रही। इस घटना को लेकर पहले ही गुजरात पुलिस नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें पुल के टिकट कलेक्टर से लेकर ठेकेदार तक शामिल हैं।

ताजा गिरफ्तारी को लेकर मोरबी के जिला अधिकारी जी. टी. पंड्या ने कहा, 'राज्य शहरी विकास विभाग ने मोरबी नगर पालिका के मुख्य अधिकारी संदीप सिंह जाला को निलंबित कर दिया है।' उन्होंने बताया कि मोरबी के रेजिडेंट अपर कलेक्टर को अगले आदेश तक मुख्य अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अधिकारियों ने बताया कि मोरबी नगर पालिका ने 15 साल के लिए ओरेवा समूह को पुल की मरम्मत और रखरखाव का ठेका दिया था।

हैवान बना दोस्तः राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में नाबालिग से दरिंदगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के राजीव गांधी अस्पताल में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी अस्पताल का कर्मचारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी व पीड़ित पहले से एक दूसरे को जानते हैं और पड़ोस में रहते हैं। आरोपी ने 16 वर्षीय पीड़ित किशोरी को अस्पताल में बुलाया और अस्पताल के कमरा नंबर 117 में दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। शुक्रवार सुबह तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। दूसरी तरफन्यू उस्मानपुर इलाके में 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। यहां पर पार्किंग में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया गया । न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर एक बस के ड्राइवर कंडक्टर को गिरफ्तार किया है।

प्रदूषण की मार : 8वीं तक स्कूल बंद, ट्रकों की एंट्री पर भी बैन

प्रदूषण पर SC में लगी याचिका भी लगी, 10 नवंबर को होगी सुनवाई

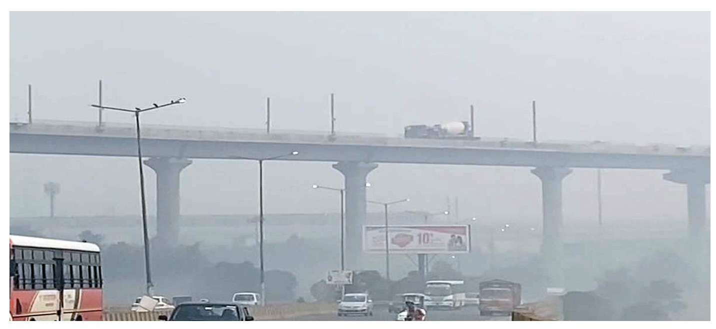

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में दिवाली के बाद से प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके कारण दिल्ली में सांस लेना मुश्किल हो गया है। शुक्रवार सुबह एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 472 तक पहुंच गया। पूरी दिल्ली में घना कोहरा छाया हुआ है। AQI हवा की क्वालिटी मापने का पैमाना है, 450 से ऊपर होने पर इसे बेहद गंभीर माना जाता है यानी फेफड़ों के लिए खतरनाक। बढ़ते प्रदूषण के कारण नोएडा प्रशासन ने शुक्रवार से 8वीं तक के बच्चों की क्लासेस ऑनलाइन लेने का फैसला किया है।

दिल्ली में शनिवार से प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान करते हुए कहा कि बढ़ते प्रदुशन के कारण कक्षा आठवीं तक के बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन कराई जाएगी। इधर प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस मामले पर 10 नवंबर को सुनवाई होगी। हवा खराब होने कारण दिल्ली में ग्रैप की चौथी स्टेज लागू हो गई है। इसके तहत एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमिशन ने दिल्ली-NCR में डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लगा दी है। हालांकि, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों पर कोई बैन नहीं है।

सरकार ने उठाए यह कदम

कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) की चौथी स्टेज लागू कर दी गई है। दिल्ली-NCR में कमर्शियल निर्माण कार्यों पर रोक लगाई गई है। दिल्ली में प्राइमरी स्कूल शनिवार से बंद रहेंगे और 5वीं से ऊपर की क्लास की आउटडोर एक्टिविटी बंद रहेगी। सेंट्रल पैनल एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन ने दिल्ली-NCR में डीजल के चार पहिया वाहनों, ट्रकों की एंट्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। कमर्शियल निर्माण कार्यों पर रोक लगाई गई है। हाईवे, फ्लाईओवर, पावर ट्रांसमिशन, ओवरब्रिज और पाइपलाइन के निर्माण बंद कर दिए गए हैं।

दिल्ली के इन इलाकों में AQI 400 के पार

दिल्ली के आंनद विहार में AQI 473, मुंडका में AQI 476, वजीरपुर में AQI 475, नरेला में AQI 477, जहांगीरपुरी में AQI 485, रोहिणी में AQI 474, विवेक विहार में AQI 475, नजफगढ़ में AQI 481, इंडिया गेट पर AQI 448, IGI एयरपोर्ट पर AQI 453, अशोक विहार में AQI 471, सोनिया विहार में AQI 473, अलीपुर में AQI 476, आईटीओ पर AQI 444, मंदिर मार्ग पर AQI 374 एक्यूआई दर्ज हुआ है। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय (D) के पास 563 AQI दर्ज किया गया। प्रदूषण बढ़ने से अस्पतालों की ओपीडी में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। पहले ओपीडी में हर रोज 20-25 सांस के मरीज आते थे, यह संख्या अब बढ़कर 70-75 हो गई है।

विदेशी मेहमानों का लौटना शुरू, एयरपोर्ट पर कहा-बाय रायपुर-बाय छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के समापन के बाद विदेशी मेहमानों का अपने देश लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। रायपुर एयरपोर्ट पर पहुंच रहे विदेशी मेहमानों ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की न सिर्फ सराहना की बल्कि छत्तीसगढ़ ट्रिप को एक यादगार ट्रिप भी बताया। यहां के ट्रेडिशन व खानपान की भी जमरक सराहना की। विदेशी मेहमानों ने जाते-जाते बाय-बाय छत्तीसगढ़ कहा।

वापसी के लिए रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे मंगोलियन देश के नर्तक दल के 10 प्रतिभागी 'रायपुर बाय रायपुर बाय' और अपने टूटी फूटी जुबान में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहते हुए एयरपोर्ट से विदा हुए। उन्होंने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में मंगोलियन डांस जोरून जोरून प्रस्तुत किया था। समूह के मुखिया इनखबोल्ड ने कहा छत्तीसगढ़ आना उनका अच्छा अनुभव रहा। मौका मिला तो दोबारा आएंगे। उन्हें पहली बार रायपुर आने का मौका मिला था वे हमेशा याद रखेंगे।

विवेकानंद एयरपोर्ट से लौटते हुए त्रिपुरा की टीम

मिजोरम राज्य के 22 प्रतिभागी 'बाय छत्तीसगढ़' कहते हुए विदा हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का अद्भुत आयोजन रहा। राज्य सरकार ने आवास, भोजन एवं सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की थी। यहां छत्तीसगढ़ी व्यंजन फरा उन्हें बहुत पसंद आया। वे छत्तीसगढ़ के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं रखते थे।अब वे दोबारा यहां आने का प्रयास करेंगे।

त्रिपुरा राज्य के 15 प्रतिभागी रायपुर विवेकानंद एयरपोर्ट से लौटते हुए दल के सदस्य देवाशीष कहा कि यहां चीला और फरा खाने का मौका मिला अब बढ़ सुघ्घर लगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रायपुर बाय-बाय और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहते हुए विदा हुए।

दो कांग्रेस विधायकों के घर ईडी और आईटी का एक साथ छापा

विधायकों के ठिकानों पर सौ से ज्यादा अधिकारी, खंगाल रहे दस्तावेज

रांची (एजेंसी)। झारखंड में केंद्रीय जांच एजेंसियां ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग की टीम ने दो कांग्रेस विधायकों के ठिकानों पर एक साथ छापा मारा है। ईडी और आईटी की इस संयुक्त कार्रवाई से झारखंड में हड़कंप मच गया है। दोनों जांच एजेंसियों ने कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह और प्रदीप यादव के घर और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा है। मिली जानकारी के अनुसार छापा राजधानी रांची, बोकारो और गोड्डा में पड़ा है। विधायकों के 9 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी और आईटी के सौ से ज्यादा अधिकारी जांच कर रहे हैं।

विधायक के करीबी के घर भी छापा

मिली जानकारी के अनुसार ईडी और आईटी का छापा कोयला घोटाला से जुड़ा है। पौड़ेयाहाट से कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव, बेरमो से विधायक कुमार जयमंगल के साथ उनके करीबियों पर भी केंद्रीय जांच एजेंसियां अपना शिकंजा कसती जा रही है। विधायकों के अलावा कोयला व्यवसायी अजय कुमार सिंह के घर पर भी ईडी की टीम ने दबिश दी। जो विधायक अनूप सिंह के करीबी हैं। शिवशंकर यादव के यहां भी छापा पड़ा है। कांग्रेसी नेताओं के अलावा रांची स्थित न्यूक्लियस मॉल के मालिक विष्णु अग्रवाल के ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है।

हिमाचल और गुजरात के साथ दिल्ली में भी दंगल, आज शाम हो सकता है एमसीडी चुनाव का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश और गुजरात के बाद आज दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव की तारीखों का भी ऐलान किया जा सकता है। राज्य चुनाव आयोग शुक्रवार शाम 4 बजे एमसीडी चुनाव का तारीखों का ऐलान कर सकता है। बता दें कि, दिल्ली नगर निगम चुनाव जो दिसंबर में होने की संभावना है। अक्टूबर महीने की शुरुआत में, गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली नगर निगम के वार्डों के पुनर्निर्धारण से संबंधित एक अधिसूचना जारी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के वार्डों की कुल संख्या 272 से घटकर 250 हो गई है।

केंद्र सरकार द्वारा एमसीडी वार्डों के 'परिसीमन' के बाद एमसीडी में कुल वार्डों की संख्या 250 हो गई है, जिनमें से 42 को आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली में तीनों नगर निगमों के मर्जर के बाद यह पहला चुनाव होगा।

अमित शाह की रैली से पहले जम्मू में इंटरनेट बंद डीजी जेल हेमंत लोहिया की हत्या से बढ़ा अलर्ट

जम्मू श्रीनगर (एजेंसी)। होम मिनिस्टर अमित शाह के दौरे के बीच जम्मू-कश्मीर के डीजी जेल हेमंत लोहिया की हत्या के बाद प्रशासन बेहद सतर्क हो गया है। राजौरी में अमित शाह की रैली से पहले सरकार ने जिले में इंटरनेट बंद कर दिया है। इसके अलावा पड़ोसी जिले जम्मू के भी कुछ इलाकों में इंटरनेट पर पाबंदी लगाई गई है। यह पाबंदी आज शाम 7 बजे तक लगाई गई है ताकि किसी अराजक तत्व की ओर से उपद्रव फैलाने के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल न किया जा सके। सोमवार देर रात अमित शाह जम्मू पहुंचे थे। इसी दिन जेल डीजी हेमंत लोहिया की उनके ही नौकर ने हत्या कर दी थी। फिलहाल पुलिस ने उनके घरेलू नौकर यासिर अहमद को अरेस्ट कर लिया है।

एसबीआई एटीएम में चोरी की कोशिश, पैसा नहीं निकला तो युवक ने किया जमकर तोड़फोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई. भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र के एसबीआई एटीएम में घुसकर एक युवक ने जमकर तोडफ़ेड़ कर दिया। गुरुवार रात एटीएम में चोरी की नीयत से एक युवक घुस गया। वह एटीएम मशीन से पैसे निकालने की कोशिश करने लगा। जब सफल नहीं हुआ तो उसने एटीएम मशीन के साथ छेड़छाड़ करते हुए मशीन को तोडने की कोशिश की। उसके बाद भी पैसा नहीं निकला तो एटीएम में तोडफ़ेड़ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर छावनी पुलिस पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

तड़के सुबह पकड़ा गया आरोपी

दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि छावनी पावरहाउस में स्थित एसबीआई एटीएम में चोरी की कोशिश करने वाला आरोपी युवक शुक्रवार तड़के सुबह 4 बजे पकड़ा गया। आरोपी युवक राजनांदगांव के चिखली थाना क्षेत्र के वार्ड 14 का रहने वाला है। आरोपी की पहचान सोनू दास मानिकपुरी, पिता दिगंबर दास मानिकपुरी, उम्र 22 वर्ष के रूप में की गई है। युवक एटीएम के अंदर घुस कर तोडफ़ेड़ कर पैसे निकालने की कोशिश कर रहा था। आरोपी युवक को गिरफ्तार करके उससे पूछताछ की जा रही है।

दुर्ग शिवनाथ नदी में बड़ा हादसा, बचाव कार्य में जुटी एसडीआरएफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिवनाथ नदी में शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। मौके पर पहुंची एसडीआरएफकी टीम ने पहुंचते ही राहत एवं बचाव का काम शुरू कर दिया। एसडीआरएफ की टीम ने संभावित जगह पर तलाश शुरू की। इस दौरान नदी के चारों ओर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि की लोगों भी यह पता नहीं था यहां कोई हादसा हो गया। दरअसल यहां पर एसडीआरएफ की टीम ने किसी भी हादसे के बाद राहत व बचाव कार्य का एक मॉकड्रिल किया। हादसे की स्थिति राहत व बचाव कार्य को लेकर समय समय पर एसडीआरएफद्वारा अपने कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए नदी में लाइव मॉकड्रिल कराया जाता है। इसी कड़ी में शुक्रवार को एसडीआरएफ की टीम द्वारा मॉकड्रिल किया गया। इस मौके पर एसडीआरएफ के जवानों ने अलग अलग परिस्थितियों में किस प्रकार बचाव कार्य करना है इसका लाइव डेमो दिखाया। इस दौरान पुल से नदी में उतरने से लेकर बोट के सहारे राहत कार्य का पूरा डेमो दिखाया गया।

चुनावी माहौल ठीक पर संयम भी उतना ही जरूरी

श्रीकंचनपथ

आगामी विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले प्रदेश का सियासी पारा चढ़ने लगा है. फिलहाल यह संग्राम बातों-बतौलेबाजियों तक सीमित है पर टीका टिप्पणियां सीमा को लांघ रही हैं. गुजरात में पटेल की विशाल प्रतिमा खड़ी कर वाहवाही लूटने वाली पार्टी के नेता छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्तियों पर कटाक्ष कर रहे हैं. देश और भारत माता की कसमें खाने वाली पार्टी को यह पता होना चाहिए कि भारत माता का स्वरूप विभिन्न राज्यों के संस्कार और संस्कृति के मेल से बना है. जिस तरह विविधताओं से भरे इस उपमहाद्वीप को भारत के रूप में पहचान देने के लिए भारत माता की कल्पना की गई, ठीक उसी तरह विविधताओं से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ महतारी की कल्पना की गई. छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान, स्वयं भारत माता का अपमान है. भाजपा के सह प्रभारी ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा और छत्तीसगढ़ियावाद पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि भाजपा भारतीयतावाद की बात करती है. उन्हें पता होना चाहिए कि जिस भारत की बातें उनकी पार्टी करती है, वह राज्यों से मिलकर बना है. राज्य जिलों से और जिले परिवारों से मिलकर बनते हैं. व्यक्तिगत स्वाभिमान के बिना कोई भी राष्ट्रवाद सफल नहीं हो सकता. वैसे उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि केन्द्र सरकार को अपनी नीतियों से कम और संकीर्ण सोच वाली सम्प्रदायवाद का ज्यादा समर्थन है. जिस भारतीयता और सनातन की बातें उनकी पार्टी करती है अगर वह सफल हो गई तो देश के नक्शे से कई राज्यों को हटाना पड़ सकता है. यह वह भारत है जो पीढ़ियों पहले भारत छोड़कर विदेशी नागरिक बन चुके सुनक पर झूठ-मूठ का गर्व करता है और खुद सोनिया गांधी को स्वीकार नहीं कर पाता. सोच की इस कसौटी पर अमेरिका और ब्रिटेन आज भी भारत से आगे ही दिखाई देते हैं. अमेरिका और ब्रिटेन ही क्यों, दुनिया के पंद्रह अलग-अलग देशों में भारतीय मूल के दो सौ से ज्यादा लोग राजनीति में अपना मुकाम बनाने में सफल रहे हैं. इनमें से साठ लोगों ने वहां के मंत्रिमण्डल में भी अपनी जगह बनाई है और कुछ तो प्रमुख पदों पर भी हैं. ये सभी अपने-अपने राष्ट्र के हित में काम कर रहे हैं. उन राष्ट्रों की सहृदयता के कारण ही यह संभव हो पाया है. वहां किसी ने इंडियन को 'डॉग' नहीं कहा. वह इतिहास की बातें हैं और कटु इतिहास यदि दफ्न ही रहे तो अच्छा होता है. भारतीय मूल के इन लोगों ने अपनी काबीलियत के बलबूते पर यह मुकाम बनाया है. उनके देश उनसे उम्मीद करते हैं कि वे उनकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले आएंगे, उनके अंतरराष्ट्रीय संबंधों को सुधारेंगे. भारत की बात करें तो हाहाकारी महंगाई पर चुप बैठी मीडिया और केन्द्र सरकार बतौलेबाजियों में लगी हुई है. जिनके पेट भरे हुए हैं, सिर्फ उन्हीं को ये बातें अच्छी लग सकती हैं. छत्तीसगढ़ का दिल उसके गांवों में धड़कता है, इससे छेड़खानी न ही करें तो अच्छा रहेगा.

अंग्रेजों के जमाने का स्कूल, 300 बच्चे और पढ़ाने वाले सिर्फ दो टीचर, गुस्साए पैरेंट्स ने जड़ा ताला

बेमेतरा। बेमेतरा में अंग्रेजों के जमाने के स्कूल में टीचर की कमी को लेकर शुक्रवार को पैरेंट्स का गुस्सा भड़क गया। बड़ी संख्या में पैरेंट्स स्कूल पहुंच गए और गेट पर ताला लगा दिया। इसके बाद बाहर ही बैठकर प्रदर्शन करने लगे। इसकी जानकारी जब शिक्षा विभाग के अफसरों को लगी तो वे मौके पर पहुंचे और जल्द ही टीचर की व्यवस्था का आश्वासन दिया। इसके बाद पैरेंट्स माने और स्कूल गेट का ताला खोला गया।

दरअसल, जिले में हाईवे किनारे ब्रिटिश काल में बना शासकीय उत्तर बुनियादी स्कूल है। यह स्कूल सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। स्कूल में करीब 300 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने वाले सिर्फ दो ही टीचर हैं। इसके चलते बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इससे गुस्साए पैरेंट्स बड़ी संख्या में शुक्रवार को स्कूल पहुंच गए और उन्होंने मेन गेट पर ताला लगा दिया और प्रदर्शन करने लगे। उस दौरान काफी बच्चे स्कूल के अंदर थे।

पैरेंट्स का आरोप है कि स्कूल में टीचर नहीं हैं, जबकि सत्र शुरू हुए चार माह बीत चुका है। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित कलेक्टर तक से शिकायत की गई, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों का यह भी आरोप है कि हाईवे किनारे स्कूल है, वहीं रोड पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इसके चलते बच्चों को आने-जाने में दिक्कत होती है। सड़क पर जाम लगता है और हादसे का भी खतरा बना रहता है।

इसकी सूचना मिलने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीएल डहरिया मौके पर पहुंचे और पैरेंट्स को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने जल्द ही स्कूल में टीचरों की नियुक्ति करने की बात कही।

संपादकीय

फिर प्रदूषण की मार

दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों प्रदूषण चरम पर है। अस्वस्थ लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी है। एक अनुमान के मुताबिक, प्रदूषण में पराली की मात्रा 30 प्रतिशत से ज्यादा हो गई है। भय यह है कि आने वाले दिनों में प्रदूषण ज्यादा बढ़ेगा। पिछले साल दिसंबर के आखिर में प्रदूषण चरम पर पहुंच गया था और इस साल अभी नवंबर की शुरुआत हुई है। अगर प्रदूषण रोकने के उपाय न किए गए, तो इस साल यह शायद सारे रिकॉर्ड तोड़ दे। ऐसा लग रहा है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के आंकड़े अब डरा नहीं रहे हैं। प्रदूषण को लेकर आम लोग कितने चिंतित हैं, इसका अनुमान मोटे तौर पर हम दीपावली के समय हुई आतिशबाजी से लगा सकते हैं। प्रतिबंधों और दिशा-निर्देशों को मानने को हम तैयार नहीं हैं, नतीजा सामने है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बता दिया कि पंजाब में पराली जलाने की घटना में 2021 की तुलना में 19 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। यह भी बता दिया कि हरियाणा (जहां भाजपा सत्ता में है) में पराली जलाने में 30.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। यह आरोप गंभीर है कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार दिल्ली को गैस चैंबर में बदलने के लिए जिम्मेदार है। दूसरी तरफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं के लिए केंद्र सरकार को ही जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही यह भी कह दिया है कि वह वायु प्रदूषण को नियंत्रित नहीं कर सकती है, तो इस्तीफा दे देना चाहिए। दरअसल, पंजाब सरकार किसानों को प्रति एकड़ 2,500 रुपये नकद प्रोत्साहन देना चाहती थी, ताकि किसान पराली न जलाएं और दूसरे प्रकृति अनुकूल उपाय आजमाएं। इस योजना में केंद्र सरकार से भी पैसा देने के लिए कहा गया, पर केंद्र सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई, नतीजा यह कि पंजाब के किसान इस बार कुछ ज्यादा ही पराली जला रहे हैं। राजनीतिक पार्टियां यह बोल जरूर रही हैं कि पर्यावरण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, पर किसी की चुप्पी हो या आरोप, सबके पीछे राजनीति ही है। प्रदूषण घटाने के लंबे-चौड़े वादे करने वाले अपने-अपने सियासी झुकाव के हिसाब से आचरण कर रहे हैं। पराली जलाने की कुप्रथा के अंत के लिए किसी आंदोलन की जरूरत क्या किसी को महसूस नहीं हो रही? यह सही है किसानों के खिलाफकड़े कदम समाधान नहीं हैं। उन्हें जल्दी गेहूं बोने के लिए खेत तैयार करने हैं, उन्हें क्या कहा जाए? हालांकि, जिस दिल्ली तक पंजाब के किसान प्रदूषण पहुंचा रहे हैं, उस दिल्ली में क्या उनका कोई परिजन, मित्र नहीं रहता है? कोई भी देश कानून या कड़ाई से नहीं बनता, अपने लोगों के निहित स्वार्थों से नहीं बनता। देश तब बनना शुरू होता है, जब लोग एक-दूसरे के हित में सोचना शुरू करते हैं। बेशक, पराली जलाने की कुप्रथा से देश बिगड़ रहा है, लोगों को सोचना चाहिए, तभी शायद सरकारें भी सोचना शुरू करेंगी। पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और भूमि को जो स्थायी नुकसान हो रहा है, उस पर समग्रता में सोचना पड़ेगा। पराली के अलावा भी उन तमाम प्रदूषकों पर लगाम के बारे में सोचना होगा, जिनसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की पूरी दुनिया में लगभग साल भर बदनामी होती रहती है। अब समय आ गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आर्थिक या भौतिक विकास के अत्यधिक दबाव को घटाने के बड़े प्रयास युद्ध स्तर पर किए जाएं।

> “ राजनीतिक पार्टियां यह बोल जरूर रही हैं कि पर्यावरण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, पर किसी की चुप्पी हो या आरोप, सबके पीछे राजनीति ही है। प्रदूषण घटाने के लंबे-चौड़े वादे करने वाले अपने-अपने सियासी झुकाव के हिसाब से आचरण कर रहे हैं। पराली जलाने की कुप्रथा के अंत के लिए किसी आंदोलन की जरूरत क्या किसी को महसूस नहीं हो रही? यह सही है किसानों के खिलाफ कड़े कदम समाधान नहीं हैं। उन्हें जल्दी गेहूं बोने के लिए खेत तैयार करने हैं, उन्हें क्या कहा जाए? हालांकि, जिस दिल्ली तक पंजाब के किसान प्रदूषण पहुंचा रहे हैं, उस दिल्ली में क्या उनका कोई परिजन, मित्र नहीं रहता है?

अकेले गोवर्धन उठाए केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल और भाजपा की राजनीति में सिर्फ वैचारिक समानता ही नहीं है, बल्कि केजरीवाल बिल्कुल उसी तरह राजनीति कर रहे हैं, जैसे नरेंद्र मोदी करते हैं। भाजपा की पूरी राजनीति पिछले आठ-नौ साल से नरेंद्र मोदी के चेहरे पर केंद्रित है। एक से दस नंबर तक वे हैं और उसके बाद ही किसी नेता का नंबर आता है। वैसे ही आम आदमी पार्टी में एक से दस नंबर तक केवल केजरीवाल हैं। उसके बाद किसी और का नंबर आता है। आम आदमी पार्टी केजरीवाल की पार्टी है, दिल्ली और पंजाब दोनों जगह की सरकार केजरीवाल की सरकार है और पार्टी के सारे विधायक व सांसद केजरीवाल के सांसद व विधायक कहे जाते हैं। इस मामले में केजरीवाल की राजनीति नरेंद्र मोदी से एक कदम आगे है। पिछले दिनों दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट पर उपचुनाव हुआ था, जिसमें आप ने दुर्गेश पाठक को उम्मीदवार बनाया था। समूचे प्रचार में एकाध अपवाद को छोड़ दें तो हर जगह पोस्टर और होर्डिंग पर उम्मीदवार की सिर्फ फोटो लगी थी और उसका नाम नहीं लिखा हुआ था। लोगों से केजरीवाल और झाड़ू छाप पर वोट देने की अपील थी।

जाहिर है पूरी पार्टी एक व्यक्ति के करिश्मे पर चल रही है। हजारों करोड़ रुपए के प्रचार से आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल का ब्रांड स्थापित किया है। दिल्ली सरकार स्कूल बनाती है तो उसे केजरीवाल का स्कूल कहा जाता है या अस्पताल बनाती है तो उसे केजरीवाल का अस्पताल कहा जाता है। वैसे ही जैसे केंद्र सरकार कुछ भी करती है तो वह नरेंद्र मोदी का काम कहलाता है। यहां तक कि भाजपा के कई नेताओं ने भारतीय सेना को नरेंद्र मोदी की सेना कहा। उसी तरह केजरीवाल भी सब कुछ अपने नाम से करा रहे हैं।

असल में नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल दोनों ने हिंदू मनोदशा को समझा हुआ है। यह सब होना हिंदुओं की 12 सौ साल की गुलामी का असर है। हिंदू हमेशा किसी सम्राट या तानाशाह के सपने देखता रहता है। उसे लगता है कि उसका भविष्य और देश दोनों किसी चक्रवर्ती राजा के हाथों में ही सुरक्षित हैं। उसे पंचायत करने वाले नेता पसंद नहीं हैं। नरेंद्र मोदी भले भारत को लोकतंत्र की जननी कहें लेकिन हकीकत यह है कि भारत में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को जरा सा भी नहीं अपनाया है। यहां किसी पार्टी के अंदर आंतरिक लोकतंत्र जैसी कोई बात नहीं होती है। आजादी से पहले देश महात्मा गांधी को मसीहा मानता था तो आजादी के बाद नेहरू मसीहा हुए। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी मसीहा रहे तो वीपी सिंह में भी लोगों ने मसीहा देखा। उसी तरह नरेंद्र मोदी मसीहा हैं और केजरीवाल भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं।

मोदी की तरह केजरीवाल भी अकेले गोवर्धन उठाए हुए हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार का कोई भी विभाग अपने पास नहीं रखा है। वे किसी बात के लिए जवाबदेह नहीं हैं। वे फाइलों पर दस्तखत नहीं करते हैं लेकिन हर मुद्दे पर राजनीति करते हैं। यमुना का पानी साफ नहीं है तो उसका मुआयना केजरीवाल करते हैं तो कूड़े के पहाड़ को देखने भी वे ही जाते हैं। स्कूल-अस्पताल का शिलान्यास हो या उद्घाटन सब केजरीवाल करते हैं। पूजा-पाठ, आरती और हनुमान चालीसा का पाठ भी केजरीवाल ही करते हैं। यानी सब कुछ केजरीवाल के ईर्द-गिर्द होता है। तभी नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल के चेहरों में बूझे कि बड़े मियां और छोटे मियां में क्या और कितना फर्क है!

हरिशंकर व्यास

> “ किसी दौर में बेशक कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। वह घर-घर जाकर अभियान चलाने का दावा जरूर कर रही है, लेकिन इसका असर शायद ही दिख रहा है। उसकी मुश्किल यह भी है कि आप जितना ऊपर उठेगी, कांग्रेस उतना नीचे की तरफ जाएगी। दिल्ली और पंजाब में आप ने कांग्रेस का आधार अपनी ओर खिसकाकर ही सरकार बनाई है, और गुजरात भी इसका अपवाद नहीं दिख रहा।

चुनावी बिसात पर तेज हुई जोर आजमाइश

संजय कुमार, प्रोफेसर, सीएसडीएस

गुजरात विधानसभा चुनावों का बिगुल बजने के बाद यहां के सियासी समीकरण की चर्चा शुरू हो गई है। यहां साल 1995 से ही भाजपा वोटों की दौड़ में आगे रही है और वह लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है। हर बार 182 विधानसभा सीटों में से 100 से ज्यादा सीटें उसके खाते में गई हैं। पिछला 2017 का चुनाव बेशक अपवाद था, जिसमें वह सीटों का सैकड़ा पूरा करने में चूक गई, लेकिन वोट प्रतिशत के लिहाज से पूर्व की तरह कांग्रेस और उसमें बड़ा फासला (छह प्रतिशत से अधिक) रहा। दोनों दलों के बीच हर बार वोट प्रतिशत में नौ से 11 अंकों का अंतर रहा है। फिर भी, कांग्रेस यहां सफल प्रतिद्वंद्वी रही है, क्योंकि किसी तीसरे मजबूत दल का यहां अभाव रहा है। मगर इस बार उसकी राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने यहां सफल दस्तक दी है। इससे यहां का चुनावी समीकरण बदलता दिख रहा है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से यहां प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। गुजरात की जनता से बात करने पर यह महसूस होता है कि आप ने उनके बीच एक पहचान बनाई है। उनसे यदि आप दिल्ली से आने की बात कहेंगे, तो वे तुरंत पूछ बैठते हैं, आप आम आदमी पार्टी की तरफ से तो नहीं आए हैं? झाड़ू वाले तो नहीं हैं? साफ है, आप यहां चर्चा में है, लेकिन वह लोगों का कितना भरोसा जीत पाएगी, यह फिलहाल कह पाना मुश्किल है। यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही तस्दीक करती है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच ठीक-ठाक फासला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। इसीलिए नजर इस बात पर होगी कि गुजरात चुनावों में दूसरे और तीसरे पायदान पर कौन सी पार्टी कब्जा करती है? हां, स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आम आदमी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, यह अभी दावे के साथ नहीं कहा जा सकता।

जाहिर है, कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा जंग है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। बावजूद इसके उसकी चाल सुस्त दिखती है। भाजपा और आप जहां पुरजोर तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, अमित शाह व अरविंद केजरीवाल जैसे नेता लगातार सक्रिय हैं, वहीं मतदाता कांग्रेस के पास ढंग का नेतृत्व न होने की बात कह रहे हैं। किसी दौर में बेशक कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। वह घर-घर जाकर अभियान चलाने का दावा जरूर कर रही है, लेकिन इसका असर शायद ही दिख रहा है। उसकी मुश्किल यह भी है कि आप जितना ऊपर उठेगी, कांग्रेस उतना नीचे की तरफ जाएगी। दिल्ली और पंजाब में आप ने कांग्रेस का आधार अपनी ओर खिसकाकर ही सरकार बनाई है, और गुजरात भी इसका अपवाद नहीं दिख रहा। यहां इस त्रिकोणीय संघर्ष के कारण भी भाजपा खुद को मजबूत मान रही है। फ़िर भी, बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि पार्टियां किस तरह के उम्मीदवारों पर दांव लगाती हैं। यहां यह चर्चा जरूर है कि जो पार्टी ढाई दशक से सत्ता में है, उसके खिलाफ अंदरूनी लहर है, लेकिन यह काफी ज्यादा इसलिए नहीं दिख रही, क्योंकि भाजपा ने इसकी काट ढूंढ़ ली है। उसने करीब एक साल पहले यहां का पूरा मंत्रिमंडल बदल दिया था। यहां तक कि नए मुख्यमंत्री की भी ताजपोशी की गई थी। यह सब इसलिए किया गया, ताकि राज्य सरकार के खिलाफ यदि लोगों में कोई असंतोष है, तो उसको दबाया जा सके। साफ है, यहां भाजपा की चुनौती न सिर्फ चुनाव जीतने, बल्कि बड़े अंतर से मैदान मारने की है।

गुजरात के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के चुनावों पर भी लोगों की स्वाभाविक नजर है। दोनों राज्यों में मतगणना 8 दिसंबर को होगी। पिछले दो-तीन दशकों में देखें, तो हिमाचल प्रदेश में हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। आम आदमी पार्टी ने यहां पर भी अपनी दावेदारी जताने की कोशिश की है, लेकिन पिछले छह माह की सियासी गतिविधियों से यही जान पड़ता है कि वह यहां शायद ही कोई खास टक्कर दे सके। कुल मिलाकर, हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा ही आमने-सामने होंगी। इसीलिए हर चुनाव में सरकार बदलने की संभावना के आधार पर कहा जा सकता है कि इस बार सत्तारूढ़ भाजपा को कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसकी तस्दीक एक साल पहले हुए विधानसभा उप-चुनावों के नतीजे भी करते हैं और लोकसभा उप-चुनाव के परिणाम भी, जिनमें कांग्रेस का ग्राफ भाजपा से काफी ऊपर रहा था। यहां आम मतदाताओं में सत्तारूढ़ दल के प्रति कुछ असंतोष दिखाई देता है। खासकर पेंशन योजना को लेकर, क्योंकि यहां सरकारी कर्मचारियों की संख्या काफी ज्यादा है, जो चुनाव में तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा असरंदाज होते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में यहां सरकारी कर्मचारियों के मूड को भांपने का प्रयास किया जाता है। इस बार इन कर्मचारियों में नाराजगी दिख रही है, भले यह बहुत ज्यादा न हो। इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। हालांकि, पार्टी ने इसके खिलाफ भी कमर कस ली है। चुनावी टिकटों का बंटवारा बताता है कि उसने करीब एक-तिहाई मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है और नए चेहरों पर भरोसा किया है। उसकी यह रणनीति पूर्व में कई राज्यों में सफल रही है। इससे होता यह है कि स्थानीय विधायक के प्रति लोगों की नाराजगी सत्ता विरोधी रुझान में नहीं बदल पाती।

हालांकि, यहां दोनों मुख्य दलों में भारी अंतर्कलह भी है। नतीजतन, कई बागी नेता भी चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतर चुके हैं। लिहाजा, यहां नजर इस बात पर भी रहेगी कि ये बागी अपनी पूर्व पार्टी का कितना नुकसान करते हैं? जाहिर है, इससे यहां चुनावी समीकरण नया रूप लेता दिख रहा है, जिससे मुकाबला कांटे का हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आधी आबादी को शक्ति की राह दिखा गई इला बेन

मिराई चटर्जी, सेवा की पूर्व महासचिव

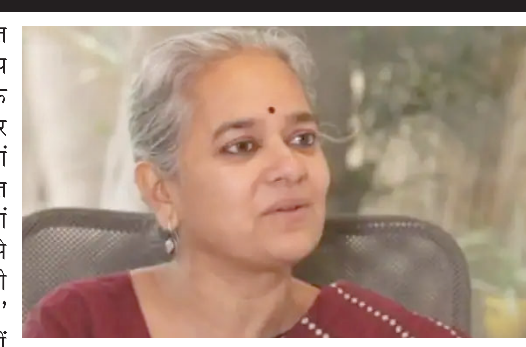

उनके लिए अनेक तमगों का इस्तेमाल हुआ, सौम्य क्रांतिकारी, श्रमजीवी या कामकाजी महिलाओं की महात्मा, और बहुत कुछ। उनके संगठन सेल्फ-इम्प्लॉयड वूमेंस एसोसिएशन अर्थात एसईडब्ल्यूए अर्थात सेवा से भारत और दुनिया भर में जुड़ी हजारों सेवा सिस्टर्स या बहनों के लिए इला भट्ट बस 'बेन' (बहन) थीं।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार में जन्मी इला बेन में त्याग और सेवा की भावना जल्दी ही घर कर गई थी। सूरत में कॉलेज में रहते वह छात्र नेता और अपने भावी पति रमेश भट्ट से मिली थीं। दोनों ने मिलकर गांधीजी की भावना और परंपरा के अनुरूप सबसे गरीब और कमजोर लोगों की सेवा के लिए अनूठी साझेदारी निभाई।

गांधीवादी के रूप में पहचानी जाने वाली इला बेन ने अनेक बाधाओं और हदों को पार किया। वह अद्वितीय नेतृत्व शैली से लैस असाधारण सामाजिक नेता थीं। वह मानती थीं कि जो दूसरों को आगे रखते हैं, वो नेता हैं। उन्होंने भारत और अन्य देशों में असंख्य महिलाओं, यूनियनों, नागरिक समाजों, सरकारों, उद्यमों और शिक्षाविदों को प्रेरित किया। जहां कहीं भी उनका सामना असंगठित महिला कामगारों से होता था, वहां वह जाति, पंथ, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राह दिखाने वाली रोशनी बन जाती थीं। वह 'मेंटर' या गुरु जैसे शब्दों की परवाह नहीं करती थीं, पर हममें से बहुतों के लिए वह इससे भी बढ़कर थीं। वह गांधीजी के मूल्यों में दृढ़ता से विश्वास करती थीं। संपत्ति की बात हो या संसाधनों की, वह सादगी पसंद थीं।वह अक्सर हमें मोहक मुस्कान के साथ बताती थीं कि एकजुटता ही इमारत की बुनियादी ईंट है, जिसका कोई शॉर्टकट नहीं होता। बहुत से ऐसे काम उनके नाम हैं, जो पहली बार उन्होंने ही शुरू किए। फिर भी उन्होंने अपनी उपलब्धियों और कई पुरस्कारों को बहुत सहजता से स्वीकार किया। उनका एक महत्वपूर्ण योगदान माइक्रोफाइनेंस आंदोलन और सेवा बैंक की स्थापना था, जो अपनी तरह का पहला प्रयास था। एक उत्कृष्ट संस्था निर्माता के रूप में इला बेन ने अनसुयाबेन साराभाई और गांधीजी द्वारा स्थापित कपड़ा श्रमिक संघ, मजूर महाजन सभा में एक युवा पैरोकार के रूप में श्रमिकों को संगठित करने के साथ शुरुआत की थी।

अभी कुछ ही महीने पहले लोकमान्य तिलक बाग में उन्होंने 'सेवा' के 50 साल पूरे होने पर बरगद का पेड़ लगाया था। बरगद का पेड़ इशारा है कि वह अपने आंदोलन को कैसे देखना चाहती थीं। एक पुरानी कपड़ा विक्रेता चंदाबेन, कपड़े के काम करने वाली करीमाबेन और अन्य मुट्ठी भर महिलाओं के साथ उन्होंने जिस 'सेवा' की शुरुआत की थी, वह आज 18 राज्यों में 21 लाख महिला कामगारों का आंदोलन बन गया है।

'सेवा' उनके सक्षम नेतृत्व में दुनिया में असंगठित महिला कामगारों का सबसे बड़ा आंदोलन है। वह अक्सर कहतीं कि सभी की ओर से किया गया सबसे बड़ा अन्याय यह है कि महिलाएं जो भी काम करती हैं, उनके लिए कोई स्वीकार्यता नहीं है। उन्होंने स्ट्रीटनेट स्थापित करने में भी मदद की थी, यह स्ट्रीट वेंडर्स का विश्व संगठन हमेशा उनके लिए खास रहा। 50 साल से भी पहले स्ट्रीट वेंडर्स या रेहड़ी वालों के साथ अपना काम शुरू करने वाली इला बेन जब राज्यसभा में पहुंचीं, तो वहां उन्होंने रेहड़ी वालों के साथ होने वाले अन्याय की बात खूब उठाई थी। उन्हें अपनी मातृभाषा गुजराती में लिखने और समझाने की आदत थी। उनको सबने स्वीकार किया, लेकिन सबसे बढ़कर उन्हें हर जगह सैकड़ों-हजारों सेवा सिस्टर्स या सेवा बेन या बहनों का प्यार मिला। रेहड़ी वालों के आंदोलन से जुड़ी लक्ष्मीबेन तेताभाई से लेकर नेल्सन मंडेला तक से उनकी गहरी दोस्ती थी।

उनकी किताब वी आर पुअर बट वी आर मैनी को उनके जीवन की श्रेष्ठ रचना बताया जाता है। भारत के कोने-कोने में उन्होंने महिलाओं की बात सुनी और न्यायपूर्ण भविष्य के लिए उनकी उम्मीदों को दर्ज किया। वह कई संगठनों की समृद्ध विरासत छोड़ गई हैं। हम 'सेवा' बहनों को उनके अधूरे काम को आगे बढ़ाना है, ताकि सशक्त भविष्य का निर्माण किया जा सके, महिलाओं के लिए, उनके परिवार के लिए, भारत और हमारे साझा वैश्विक परिवार के लिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

मन का अनुशासन

कभी-कभी अपने जीवन को लेकर हम सबके भीतर गहरा असंतोष पैदा होता है। दरअसल, कठिनाइयों के आगे पूर्णतया परास्त होने के बिंदु पर हम ऐसा महसूस करते हैं। हम सभी के साथ समय-समय पर अलग अलग डिग्री में ऐसा होता है और जब ऐसा होता है, तब यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम अपनी भावनाओं को ऊपर उठाने का तरीका खोजें। हम अपने सौभाग्य को याद करके ऐसा कर सकते हैं। जैसे, हमें किसी से प्यार है; हमारे पास कुछ प्रतिभाएं हैं; हमें अच्छी शिक्षा मिली है; हमारे पास खाने के लिए भोजन, पहनने के लिए कपड़े, सिर छिपाने के लिए छत है, हमने अतीत में कुछ परोपकारी कार्य किए होंगे।

अपने जीवन के कुछ सकारात्मक पहलुओं को हमें हमेशा ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि खुद को ऊपर उठाने का कोई रास्ता यदि हम नहीं खोज पाते, तो हमारे कुंठित होने का जोखिम और बढ़ जाता है। अपने बारे में हमारी यह धारणा ठोस रूप ले सकती है कि हमारे पास कुछ भी अच्छा करने की क्षमता नहीं है। इस तरह हम स्वयं ही निराशा की स्थितियां निर्मित करते हैं। एक बौद्ध भिक्षु के रूप में मैंने यही सीखा है कि जो चीज मुख्य रूप से हमारी आंतरिक शांति को भंग करती है, वह है हमारा कष्टकारी मनोभाव। वे तमाम विचार, भावनाएं और मानसिक घटनाएं, जो मन की नकारात्मक या अकारुणिक स्थिति को दर्शाती हैं, आंतरिक शांति के हमारे अनुभव को कमजोर करती हैं। घृणा, क्रोध, अभिमान, वासना, लालच, ईर्ष्या आदि जैसी तमाम नकारात्मक भावनाएं दुखों का स्रोत मानी गई हैं।

याद रखें, नकारात्मक विचार और भावनाएं हमारी सबसे बुनियादी आकांक्षा में बाधा डालती हैं। क्या है वह आकांक्षा? वह है, खुश रहने और दुखों से बचने की आकांक्षा। जब हम नकारात्मक भावनाओं के प्रभाव में कार्य करते हैं, तब दूसरों पर पड़ने वाले अपने कार्यों के असर से बिल्कुल बेखबर हो जाते हैं। इस तरह, वे भावनाएं दूसरों के साथ-साथ खुद हमारे लिए भी विनाशकारी साबित होती हैं। हत्या, घोटाले और छल-कपट, सभी के मूल में अशांतकारी मनोभाव होते हैं। यहीं पर मन के प्रशिक्षण का सवाल खड़ा होता है- क्या मन को प्रशिक्षित किया जा सकता है? मन के प्रशिक्षण के बारे में एक महान तिब्बती शिक्षक ने कहा था कि मन के अद्भुत गुणों में से एक गुण यह है कि इसे रूपांतरित किया जा सकता है। मुझे तनिक भी संदेह नहीं कि जो लोग अपनी अशांत भावनाओं को दूर करने के प्रयास करेंगे, वे समय के साथ लोगों व घटनाओं के प्रति अपने नजरिये और प्रतिक्रिया, दोनों में बदलाव लाने में सफल होंगे। उनका दिमाग अधिक सकारात्मक और अनुशासित होगा।

-दलाई लामा

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

विकास प्रदर्शनी में दिखी महिला सशक्तिकरण की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्योत्सव में जहां प्राचीन जनजाति नृत्य संस्कृति संस्कृति से लोग परिचित हुए वहीं विकास प्रदर्शनी में युवा छत्तीसगढ़ के बढ़ते वैभव को भी लोगों ने देखा। यहां तेजी से बढ़ते छत्तीसगढ़ के साथ महिला सशक्तिकरण की झलक भी दिखाई दी। यह झलक न सिर्फ महिलाओं के चेहरों में दिखी बल्कि उनकी सोच में भी नजर आई।

यह आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की चमक है, जो छत्तीसगढ़ की स्वयंसिद्धा महिलाओं को उनकी मेहनत और आगे बढ़ने के जज्बे से मिली है। महिला बाल विकास विभाग के स्टॉल में जांजगीर-चांपा जिले से आई भारती महिला स्व सहायता समूह की श्रीमती सीमा खरे ने बताया कि उनका समूह सेनेटरी नैपकिन बनाता है। समूह में 10 सदस्य हैं। वो प्रेस मशीन की सहायता से जैली वाला सेनेटरी पैड बनाते हैं, जिसका नाम उन्होंने सहेली रखा है। इसके विक्रय से समूह को अच्छी आमदनी हो जाती है।

उनके समूह ने महिला बाल विकास विभाग के महिला कोष से 30 हजार और आजीविका मिशन से एक लाख रुपये लोन लेकर सेनेटरी पैड बनाने का काम शुरू किया था। उन्होंने खुश होकर बताया कि उन्होंने अब पूरा लोन चुकता कर दिया है। उन्होंने बताया कि उनके समूह की महिलाएं सेनेटरी पैड बनाने के साथ गाँव में महिलाओं को शारीरिक स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए जागरूक भी करती हैं। इससे बहुत सी महिलाओं में जागरुकता आई है। जशपुर से आई उरांव जनजाति की बालमुनी ने बताया कि वह हरियाली स्व सहायता महिला समूह की सदस्य हैं और 10 वीं तक पढ़ी हैं। पहले वह कोई काम नहीं करती थी, फिर राज्य सरकार के माध्यम से टोकरी बनाने की ट्रेनिंग ली।

उनके गाँव में 8 समूह इस काम में लगे हैं। हर समूह में 10 सदस्य हैं। उनके समूह को महीने में 70 से 80 हजार की कमाई हो जाती है। इनके साथ ही कई महिलाएँ छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन, सजावटी और पूजा के समान, मसाले, आभूषण और इसी तरह हाथ से बने कई समानों का विक्रय करती नजर आई।

जलजीवन गांव की जीवंत और मनमोहक झांकी बनी आकर्षण का केन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव 2022 के मौके पर राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में विभागीय विकास प्रदर्शनी के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश के ग्रामीण अंचल ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए विकसित किए जा रहे सिस्टम को बड़े ही सलीके से प्रदर्शित किया गया है। जलजीवन मिशन पर आधारित झांकी में हर घर नल से जल की आपूर्ति का जीवंत मॉडल जलजीवन गांव के रूप में दर्शाया गया है। गांवों में पीने की पानी की शुद्ध आपूर्ति के लिए उच्च स्तरीय पेयजल टंकी के निर्माण सहित वाटर सप्लाई के लिए पाईप लाईन का निर्माण और इसके माध्यम से घर-घर तक जलापूर्ति की व्यवस्था का प्रदर्शन किया गया है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के स्टॉल में पहुंच रहे है।

जलजीवन मिशन के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की सभी घरों में वर्ष 2024 तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में युद्धस्तर पर काम कराए जा रहे है।

गांव-गांव में पेयजल टंकी के निर्माण के साथ ही घरों तक जलापूर्ति के लिए पाईप लाईन बिछाकर नल कनेक्शन दिए जाने का काम तेजी से जारी है। जलजीवन मिशन राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की बराबर की भागीदारी के साथ-साथ जनभागीदारी वाला प्रोजेक्ट है। इसके तहत घरों के अलावा सभी शासकीय संस्थाओं, शालाओं और आंगनबाड़ियों में भी रनिंग वाटर की सुविधा मुहैया की जानी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल में फ्लैक्स, पोस्टर और एलईडी के माध्यम से जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी देने के साथ ही जल की गुणवत्ता के परीक्षण की भी जानकारी दी जा रही है। स्टॉल में विभागीय अधिकारियों एवं कमिस्ट द्वारा फिल्ड टेस्ट कीट द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण का भी प्रदर्शन किया जा रहा है।

खास खबर

जिले में रबी फसलों के तैयारी के लिए गांवों में चार से 18 तक लगेंगे चौपाल

कोरबा। जिले को रबी कार्यक्रम हेतु प्राप्त सभी योजनाओं के लक्ष्य को जिले के क्षेत्राच्छादन अनुसार पूर्ण करने हेतु चार से 18 नवंबर तक जिले के सभी विकासखण्ड में ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यकम का आयोजन किया जाएगा। रबी में प्राप्त सभी योजनाओं के लक्ष्यों को रबी क्षेत्राच्छादन के अनुसार पूर्ण करतें हुए तैयारी और किसानों को जानकारी देने के चौपाल का आयोजन किया जाएगा। चौपाल में विभिन्न योजनाओं में प्राप्त मिनीकीट एवं बीजों (गेंहू,चना,अलसी,तिवड़ा,रागी,सरसों) को क्लस्टर के अनुसार किसानों का चयन करते हुए वितरण किया जाएगा। साथ ही टोकन तुहर हाथ एप का किसानों को प्रशिक्षण एवं एप डाउनलोड करना भी सिखाया जाएगा। रबी क्षेत्र में वृद्धि हेतु प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

कलेक्टर ने दरभा में संचालित विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जगदलपुर। कलेक्टर चंदन कुमार ने गुरुवार 3 नवंबर को दरभा विकासखण्ड में संचालित विकास कार्यों का अवलोकन किया। वे दरभा विकासखण्ड मुख्यायलय के साथ ही छिन्दावाड़ा, तीरथगढ़ और गुमड़पाल भी पहुंचे। उनके साथ इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, अनुविभागीय दण्डाधिकारी संजय विश्वकर्मा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुब्रत प्रधान, प्रभारी तहसीलदार जीवेश कुमार सोरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने जनपद पंचायत कार्यालय तथा तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया। जनपद पंचायत कार्यालय में उन्होंने विभिन्न मदों से स्वीकृत कार्यों के प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। दौरान प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजा की राशि का भुगतान तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रदेश में धान खरीदी के तीसरे दिन 45,650 मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

इस साल 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान, 2.03 लाख नये किसानों ने कराया पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा के अनुरूप प्रदेश में एक नवम्बर से धान खरीदी का महाभियान शुरू हो गया है। धान खरीदी के तीसरे दिन शाम साढ़े पांच बजे तक आज प्रदेश के विभिन्न जिलो में किसानों से समर्थन मूल्य में 16 हजार 738 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 281.85 करोड़ रुपये जारी किया गया है। अब कुल 45,650 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज धान बेचने वाले किसानों को 6504 टोकन जारी किए गए थे तथा टोकन तुंहर हाथ एप्प द्वारा 505 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस धान खरीदी के लिए 8670 तथा टोकन तुंहर हाथ के जरिये 782 टोकन जारी किए गए है। किसानों को धान विक्रय में कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कंही कोई शिकायत नहीं मिली है।

गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सहित किसान हितैषी योजनाओं से प्रदेश में खेती-किसानी में नये उत्साह का संचार हुआ है। खेतों से दूर हो रहे किसान खेतों की ओर लौटे हैं और खेती का रकबा भी बढ़ा है। धान का रकबा बढ़कर 31.17 लाख हेक्टेयर हो गया है।

इस वर्ष लगभग 110 लाख मीट्रिक धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.93 लाख किसानों का एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.03 लाख नये किसान है। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 2497 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। खाद्य विभाग के सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए एक नवम्बर 2022 से धान, खरीदी शुरू हो गई है। किसानों से सुगमतापूर्वक धान खरीदी के लिए राज्य शासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं कर ली गई है। किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न आए, इसको लेकर सभी केन्द्रों में बेहतर प्रबंध किए जाने के साथ ही व्यवस्था पर मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। खाद्य सचिव श्री वर्मा ने बताया कि गत वर्ष के पंजीकृत 24.05 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था। पंजीकृत किसानों के डाटा को कैरी फॉरवर्ड तथा इस साल 2.03 लाख नये किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 25.93 लाख हो गई है। पंजीकृत किसानों के धान का रकबा बढ़कर 31.17लाख हेक्टेयर हो गया है। समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की अधिकतम सीमा पिछले वर्ष के अनुसार 15 क्विंटल प्रति एकड़ लिंकिंग सहित निर्धारित की गई है। धान खरीदी हेतु बारदाने की व्यवस्था कर ली गई है। धान खरीदी के लिए सभी समितियों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स का पंजीयन किया जा रहा है। राज्य में अवैध धान की आवक रोकने तथा संवेदनशील उपार्जन केन्द्रों पर निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। सीमावर्ती सोसायटियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ में धान का अवैध परिवहन न हो, इसकी रोकथाम के लिए चेक पोस्ट भी बनाए गए हैं, जहां अधिकारियों की टीम माल वाहकों पर कड़ी निगरानी रख रही है।

डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा छग के सोनहा बिहान के स्वप्नदृष्टा थेः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

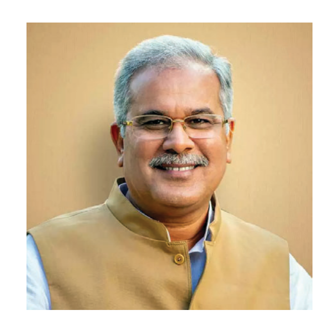

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रसिद्ध साहित्यकार, भाषाविद् और छत्तीसगढ़ राज्य-गीत के रचयिता डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा को उनकी जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा को याद करते हुए कहा है कि डॉ. वर्मा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। कवि, चिंतक, उपन्यासकार, नाटककार, सम्पादक और मंच संचालक जैसी कई भूमिकाओं में उन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

डॉ. वर्मा ने जो भी लिखा, वह लोगों की अंतरआत्मा में उतर गया। उनके हिंदी उपन्यास 'सुबह की तलाश' जब छत्तीसगढ़ी में अनुवाद के बाद ''सोनहा बिहान'' के रूप में लोगों के बीच रंगमंच के माध्यम से पहुंचा, तब इसने आम लोगों में सुनहरी सुबह के साकार होने की आशा जगा दी। सही अर्थों में वे छत्तीसगढ़ के सोनहा बिहान के स्वप्नदृष्टा थे। उनका ओजपूर्ण व्यक्तित्व पल भर में लोगों को प्रभावित कर लेता था। अपने विचारों से उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को भी गहराई तक प्रभावित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा है कि डॉ. वर्मा ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और भाषा-अस्मिता को बनाए रखने और उसे पहचान दिलाने में महती भूमिका निभाई। 'अरपा-पइरी के धार, महानदी हे अपार......' के रूप में उन्होंने अमर रचना दी है, जिसमें छत्तीसगढ़ महतारी का वैभव जीवंत हो उठा है। अब यह गीत डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा की पहचान और छत्तीसगढ़ का मान बन गया है। उनकी कलम से निकला यह गीत राज्य गीत के रूप में आज बस्तर से लेकर सरगुजा तक छत्तीसगढ़ वासियों की आत्मा का गान बन चुका है। छत्तीसगढ़ की ऐसी वंदना उनका सच्चा सपूत ही कर सकता है।

श्री बघेल ने कहा डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा ने ''छत्तीसगढ़ी भाषा व साहित्य का उद्विकास'' विषय पर शोध किया और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने छत्तीसगढ़ी गीत संग्रह 'अपूर्वा', हिंदी उपन्यास 'सुबह की तलाश' जैसे कई ग्रंथों की रचना की। उनकी रचनाओं में छत्तीसगढ़ के जनजीवन तथा संस्कृति का सजीव चित्रण मिलता है। उनका लिखा 'मोला गुरु बनई लेते छत्तीसगढ़ी प्रहसन' अत्यंत लोकप्रिय हुआ। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए उनका अमूल्य योगदान हमेशा याद

पर्यावरण को बचाने का अद्भुत संदेश लिए हमारे प्रदेश का करमा नाच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का जनजातीय परिदृश्य अपने प्राकृतिक वातावरण से कितना जुड़ा हुआ है और इसे सहेजने को लेकर कितना सरोकार रखता है इसकी झलक आज राजनांदगांव के कलाकारों द्वारा दिखाये गये करमा नृत्य में मिली। इस नृत्य में करम डाल की पूजा कर इसे आंगन में स्थापित करते हैं फिर देवता की पूजा अर्चना करते हैं और नृत्य आरंभ होता है।

अनुश्रुति है कि राजा करम सेन की स्मृति में यह नृत्य किया जाता है। यह नृत्य छत्तीसगढ़ के सबसे लोकप्रिय नृत्यों में से एक है। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वाद्ययंत्रों के साथ जब लोककलाकारों के कदम थिरके तो लोग काफी आनंदित हो गये। छत्तीसगढ़ के नृत्य परंपरा की समृद्धि की झलक इस सुंदर नृत्य में दिखी। खासतौर पर इस नृत्य के माध्यम से दिया जाने वाला संदेश बेहद महत्वपूर्ण हैं। अपने प्राकृतिक परिवेश को सहेजकर और उससे अनुराग रखकर ही हम बेहतर जीवन जी सकते हैं। प्रकृति के सामीप्य में और इसके राग में स्वयं को रखकर थिरकना ही करमा नृत्य का मूल संदेश है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से दर्शकों ने न केवल देश भर में प्रचलित नृत्य के विविध रूप देखे अपितु छत्तीसगढ़ की समृद्ध नृत्य परंपरा और इसके पीछे छिपे गहरे संदेश को भी लोगों ने देखा। नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ी की चटख रंगों वाली लोककलाकारों की वेशभूषा और आकर्षण आभूषण भी दिखे। सैकड़ों सालों से इस सुंदर नृत्य का आयोजन किया जा रहा है और हर बार यह उतना ही आनंदित करता है और लोगों का मन मोह लेता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा एवं पाली में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोग होंगे लाभान्वित

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा के प्रयासों से जिले के सामुदायिक - प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा और पाली में सोनोग्राफी मशीन लगाई गई है। सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे। दोनों केंद्रों के लिए रेडियोलॉजिस्ट की भी नियुक्ति कर दी गई है। रेडियोलॉजिस्ट सप्ताह में एक-एक दिन दोनों केंद्रों में सेवाएं देंगे। सीएमएचओ डॉक्टर एसएन केसरी ने बताया कि 28 अक्टूबर को ही दोनों केंद्रों के लिए रेडियोलॉजिस्ट डॉ राकेश अग्रवाल को नियुक्त कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में हो रहा आदिवासी, दलित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने का कामः हेमंत सोरेन

आदिवासियों के सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने किया गया राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन

राज्योत्सव के ''मेला, प्रदर्शनी व फूड जोन'' की आयोजन अवधि रविवार तक बढ़ाने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल राज्य में ऐसे वर्ग को आगे बढ़ा रहे हैं जिनका सदियों से शोषण हुआ है। उनकी सरकार आदिवासी, दलित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही सबके विकास के लिए कार्य कर रही है। मुझे इस मंच में आकर गौरव महसूस हो रहा है। हेमंत सोरेन राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के समापन समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे।

झारखंड के मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने आगे कहा कि झारखंड और छत्तीसगढ़ में इतनी समानता है कि दोनों राज्यों के कई ऐसे क्षेत्र है। जहां पता लगाना मुश्किल है कि यह क्षेत्र दोनों राज्यों में से किस राज्य का है। वास्तव में झारखंड और छत्तीसगढ़ दोनों भाई है। दोनों राज्य के लोगों के राज्यों के लोगों का एक-दूसरे के राज्य में आना-जाना लगा रहता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री बघेल राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से पूरे देश और दुनिया में आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, जो सदियों से संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष में इसी आयोजन में शामिल होने रायपुर आया था। यहीं की प्रेरणा से झारखंड में विश्व आदिवासी दिवस मनाया, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने भी शिरकत की थी। श्री सोरेन कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के जरिए यह संदेश देने का भी सफल प्रयास किया गया है कि जब तक सभी वर्गों का विकास नहीं होता तब तक देश का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता।

फसल कटाई की श्रेणी में पहला स्थान छत्तीसगढ़ के करमा नृत्य को

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के पुरस्कार भी इस अवसर पर दिये गये। फसल कटाई की श्रेणी में प्रथम स्थान पर छत्तीसगढ़ के करमा नृत्य को, दूसरे स्थान पर ओडिशा के ढेंगसा नृत्य को और तीसरे स्थान पर हिमाचल प्रदेश के गद्दी नृत्य को पुरस्कृत किया गया। इस श्रेणी में सांत्वना पुरस्कार असम को दिया गया।

विवाह संस्कार में पहला स्थान सिक्किम को

विवाह संस्कार एवं अन्य श्रेणी में पहला स्थान सिक्किम के तमांग सेलो नृत्य को, दूसरा स्थान ओडिशा के घुड़सा नृत्य को और तीसरा स्थान झारखंड के डमकच नृत्य को मिला। विशेष ज्यूरी सांत्वना सम्मान असम को और गुजरात को मिला। इसके अलावा विदेश से आये कलाकारों का भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सम्मान किया। इस श्रेणी में सांत्वना पुरस्कार गुजरात के सिद्धी धमाल नृत्य को दिया गया।

इस मौके पर गृह एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के माध्यम से हमारी आदिवासी संस्कृति को सहेजने का बड़ा काम राज्य शासन द्वारा हुआ है। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने इस मौके पर कहा कि लोगों ने महोत्सव का भरपूर आनंद लिया और इससे हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति की झलक एक बड़े मंच में दिख रही है। इस मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार, संसदीय सचिव कुंवरसिंह निषाद, विधायक धनेन्द्र साहू, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, पीसीसीएफ संजय शुक्ला, पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी. एवं संचालक संस्कृति विवेक आचार्य मौजूद थे।

कृषि विभाग की प्रदर्शनी को पहला स्थान

इस मौके पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी भी पुरस्कृत की गई। पहला स्थान कृषि विभाग को, दूसरा स्थान ऊर्जा विभाग को और तीसरा स्थान वन विभाग को मिला। सार्वजनिक उपक्रमों की श्रेणी में पहला पुरस्कार बाल्को, दूसरा पुरस्कार एनएमडीसी तथा तीसरा पुरस्कार एनटीपीसी को मिला।

आदिम संस्कृति सभी को जोड़ने का कार्य करती हैः सीएम बघेल

सीएम भूपेश बघेल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आदिम संस्कृति सभी को जोड़ने का कार्य करती है। इसे सहेज कर और इसकी खूबसूरती को बड़े फलक पर दिखाने के उद्देश्य से हमने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया है। मुझे इस बात की खुशी है कि इस आयोजन में बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी की। रात बारह बजे तक लोग इस सुंदर आयोजन को देखने बड़ी संख्या में जुटते रहे। उन्होंने कहा कि हमने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस आयोजन के लिए आमंत्रित किया। साथ ही 22 देश के आदिवासी कलाकार इस आयोजन में शिरकत करने के इच्छुक थे लेकिन समयसीमा को देखते हुए हमने केवल 10 देशों को स्वीकृति दी। इस आयोजन के माध्यम से लोगों ने जाना कि हमारी आदिवासी संस्कृति कितनी समृद्ध है। इनके नृत्यों के माध्यम से प्रकृति और लोकजीवन को सहेजने के सुंदर मूल्य जो सीखने को मिलते हैं वो सीख हमारे लिए अमूल्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने शिल्प कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टाल भी लगाए। इनमें बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी, उससे पता लगता है कि हमारी आदिवासी कला को जानने के लिए लोग कितने उत्सुक हैं और यह कितनी समृद्ध लोककला है। सीएम ने इस मौके पर कहा कि हम 22 साल से स्थापना दिवस मना रहे हैं। अब राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव भी मना रहे हैं। इससे हमारी खुशी दोगुनी हो गई है। सीएम ने इस अवसर पर शिरकत करने पहुंचे झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के प्रति भी विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। सीएम ने कहा कि इस महोत्सव के आयोजन के साथ ही हम प्रदेश में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन भी कर रहे हैं। इसमें 20 लाख प्रतिभागियों ने अब तक हिस्सा लिया है। इसमें बच्चे और बुजुर्ग सब शामिल हैं। 70 साल की बुजुर्ग महिलाएं भी फुगड़ी खेल रही हैं। सबको बचपन की यादें ताजा हो गई हैं। इन खेलों से मोबाइल से ध्यान हटा, यह भी बड़ी बात है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने संस्कृति विभाग की पत्रिका ''बिहनिया'' के नए अंक का विमोचन किया।

खास खबर

बस्तरिया मोर मुकुट पहन सेल्फी ले रहे युवा

युवाओं को भा रहा बस्तरिया मोर मुकुट और डालडा चांदी के गहनें

रायपुर। साइंस कालेज मैदान में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव परिसर में युवाओं को बस्तरिया मोर मुकुट और डालडा चांदी के गहनें बहुत आकर्षित कर रहे हैं। वे इस मुकुट और गहनों को पहन कर फोटो खिचवा रहे हैं और सेल्फी ले रहे हैं। पी.जी. डिप्लोमा योगा की छात्रा कुमारी मीनाक्षी और तारकेष्वरी ने बड़े उत्साह के साथ फोटो खींचवाते हुए बताया कि बस्तरिया मुकुट व गहनों को केवल फोटो में देखा था। आज प्रदर्षनी में मुकुट व गहनों का पहनकर फोटो खिंचवाने का मौका मिला। उन्होंने आदिवासी महोत्सव आयोजन के लिए राज्य सरकार विषेशकर मुख्यमंत्री भूपेष बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्टॉल प्रभारी कोण्डागांव निवासी आसूलाल ने बताया कि बस्तरिया मुकुट मोर पंख, मुर्गा, बाज और अन्य चिड़ियों के पंखों से बनाया जाता है। यह मुकुट आदिवासियों के सम्मान का प्रतीक है। पुरूष मुरिया आदिवासी इस मुकुट को नृत्य एवं अन्य अवसरों पर पहनते हैं। इसी प्रकार महिलायें डालडा चांदी से निर्मित गले में रूपिया माला व सूता, कलाई में पटा व ऐंठी, कमर में करधन, अंगुलियों में मुंदरी पहनती है। जंगलों में उपलब्ध बांस से समान रखने के लिए बैग बनाते हैं, जिसे पिसवा कहते हैं। पिसवा, मोर मुकुट सहित डालडा चांदी के गहने स्टाल में प्रदर्शन एवं बेचने के लिए कराया गया है।

नवंबर में जीएसटी के नियमों में हुआ बड़ा बदलावः अब 200 रुपये के माल बिक्री पर देना होगा अलग बिल

रायपुर (ए)। जीएसटी के नियमों में नवंबर लगते ही कुछ बदलाव हुआ है, जिसके बारे में लोगों का जानना भी जरूरी है। जब कोई जीएसटी रजिस्टर्ड व्यापारी माल बेचता है तो वह अपने ग्राहक को जीएसटी बिल देता है। हम अपने इस समाचार के जरिए यही बता रहे हैं कि यह बिल देना कब जरूरी होता है।

यदि एक व्यापारी दिनभर में चिल्हर में 200 रुपये से कम का माल जीएसटी में किसी गैर पंजीकृत ग्राहक को बेचता है, यदि 20 बार भी बेचता है तो वह उस चिल्हर मूल्य का दिनभर का एक ही बिल बना सकता है। जैसे किसी ग्राहक को 90 रुपये का माल बेचा, दूसरे ग्राहक को 130 रुपये का, तीसरे को 190 रुपये का, चौथे को 80 रुपये का माल बेचा तो इस बिक्री का एक बिल 490 का बना सकता है। लेकिन यदि व्यापारी ने किसी व्यक्ति को 200 रुपये या उससे अधिक का माल बेचा तो उस ग्राहक का अलग से बिल बनाना अनिवार्य होगा, चाहे वह जीएसटी में पंजीकृत ग्राहक हो या गैर पंजीकृत ।

कर विशेषज्ञों ने बताया कि यदि व्यापारी ने किसी ग्राहक को 50 हजार रुपये से ज्यादा का माल बेचा है और वह व्यक्ति जीएसटी में पंजीकृत नहीं है तो बिल में व्यक्ति का नाम, पता, राज्य का नाम एवं कोड और माल कहां डिलीवर होगा, यह भी डालना अनिवार्य है। यदि व्यापारी ढाई लाख से ज्यादा का माल इंटरस्टेट (ढाई लाख सिर्फ माल की लागत होनी चाहिए, टैक्स शामिल नहीं होगा) किसी व्यक्ति को बेचता है और यदि वह ग्राहक जीएसटी में पंजीकृत नहीं है तो उसे जीएसटी रिटर्न में भी अलग से दर्शाना जरूरी होगा।

बिल नंबर, बिल की दिनांक, ग्राहक का नाम, बिलिंग का स्थान, जीएसटी नंबर यदि ग्राहक रजिस्टर्ड हो तो एचएसएन कोड, माल का विवरण, कर योग्य राशि, जीएसटी टैक्स के रेट, क्या जीएसटी रिवर्स चार्ज के आधार पर देय है एवं व्यापारी का हस्ताक्षर होगा।

शिल्पग्राम में दिख रही छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में राज्य स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महो्त्सव एवं राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों की विकास प्रदर्शनी लगाई गई है। इस विकास प्रदर्शनी में शिल्पग्राम का स्वरूप भी बनाया गया है। शिल्पग्राम में छत्तीसगढ़ की विभिन्न कला और संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है। रोचकता और रचनात्मकता से भरपूर के शिल्पग्राम प्रदर्शनी में पहुंचने वाले लोगों को स्व-स्फूर्त अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शिल्पग्राम पहुंचे। उन्होंने शिल्पग्राम का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही शिल्पग्राम मौजूद कलाकारों और शिल्पकारों से आत्मीय भाव से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इन कलाकारों और शिल्पकारों से उनकी रचनात्मकता को लेकर चर्चा की साथ ही उनकी प्रतिभा की भुरी-भुरी प्रशंसा करते हुए सराहना की।

राज्योत्सव के दौरान लगी विकास प्रदर्शनी स्थल के मध्य में बनाया गया शिल्पग्राम जनमानस को आकर्षित कर रहा है और लोगों के लिए जिज्ञासा का प्रमुख केन्द्र बना हुआ है, जिसमें प्रदेश स्तर के बुनकर शिल्पी अपने-अपने बेहतरीन व आकर्षक उत्पादों का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर आकर्षक छूट के साथ विक्रय भी कर रहे हैं। शिल्पग्राम में कोसा, रेशमी साड़ी ड्रेस मटेरियल तथा काटन बेडशीट का बेहतरीन संकलन खादी के वस्त्र बेलमेटल, काष्ट कला, माटी कला टेराकोटा के आकर्षक उपयोगी तथा सजावटी सामग्री दो दिनों में लगभग 50 लाख की बिक्री कर बुनकरों शिल्पियां ने आयोजन का लाभ उठाया है। वही दूसरी ओर बिचौलियों के नहीं होने से ग्राहकों को भी सीधा लाभ मिला है। प्रदेश सरकार व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का इस आयोजन हेतु जिससे अनेक उत्पादों के प्रचार-प्रसार व विक्रय का प्लेटफॉर्म मिला, जिससे इन्हें अच्छी आय हो रही है। इस बार शिल्पग्राम के मध्य में छत्तीसगढ़ महतारी की भव्य और आकर्षित प्रतिमा स्थापित की गई है। छत्तीसगढ़ महतारी की इस प्रतिमा के साथ सेल्फी लेने लोगों में होड़ मची हुई है।

ऊर्जा चलित उपकरणों में दिखी लोगों की रूचि क्रेडा के स्टाल में उपकरणों का हुआ लाइव डेमो

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्योत्सव तीसरे दिन 03 नवंबर को भी साइंस कॉलेज मैदान में चहल-पहल देखने को मिली। अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (क्रेडा) के स्टॉल में लोगों की खास दिलचस्पी देखने को मिली क्रेडा के अधिकारियों ने लाइव डेमो देकर लोगों को सौर ऊर्जा चलित संयंत्रों और उपकरणों के बारे में समझाया।

राज्योत्सव स्थल साइंस कॉलेज मैदान में सरकार के 21 विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, ताकि लोगों को विभिन्न विभागों की योजनाओं और उन विभाग द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी जा सके। इन विभागों के स्टॉल में अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण (क्रेडा) भी शामिल था।

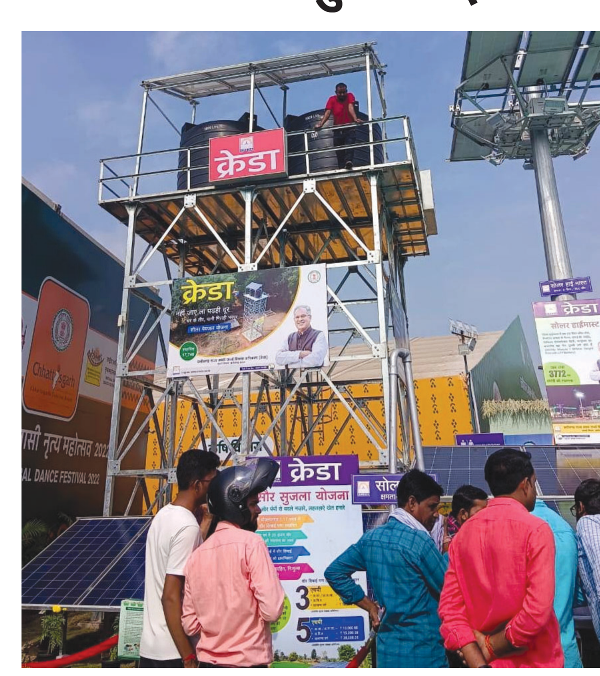

स्टॉल में आए लोगों को क्रेडा के अधिकारियों ने बताया कि सौर उर्जा से चलित उपकरणों और संयंत्रों का इस्तेमाल करके बिजली की खपत और बिजली बिल पर होने वाले खर्च को कम किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सौर ऊर्जा के उपकरणों और संयंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी की सुविधा भी दी जा रही है।

क्रेडा के अधिकारियों ने सौर ऊर्जा चलित उपकरणों और संयंत्रों की कार्य पद्धति को समझाने के लिए डेमो भी दिया। जैसे किसानों को सोलर ड्यूअल पंप किस तरह से चलता है यह दिखाया गया। इसके अलावा सोलर गीजर और सोलर चूल्हा और सोलर टीवी के बारे में भी बताया। स्टॉल में आए लोगों को सौर ऊर्जा से संचालित अन्य उपकरणों और संयंत्रों की जानकारी के लिए पाम्पलेंट भी दिए गए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

हर महिला की अलमारी में जरूर होने चाहिए लाल रंग के ये 5 आउटफिट

लाल रंग शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक होने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक देता है इसलिए महिलाओं की अलमारी में इस रंग के आउटफिट जरूर होने चाहिए। यह एक क्लासिक रंग है, जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता है। वहीं, लाल रंग के आउटफिट डेट हो या फिर कोई मजेदार पार्टी, हर अवसर पर पहने हुए अच्छे लगते हैं। आइए आज हम आपको पांच तरह के लाल रंग के आउटफिट से जुड़ी फैशन टिप्स देते हैं।

लाल रंग की ड्रेस

काले रंग की ड्रेस की तरह लाल रंग की ड्रेस भी महिलाओं पर खूब जचती है। लाल रंग की ड्रेस को आप न सिर्फ एक कैजुअल आउटिंग पर, बल्कि डेट नाइट पर भी पहन सकती हैं। हालांकि, लाल रंग की ड्रेस के पैटर्न पर थोड़ा ध्यान दें और ज्यादा बड़े पैटर्न का चयन करने से बचें। इसी तरह अपनी लाल रंग की ड्रेस को कम से कम एसेसरीज और हाई हील्स के साथ पहनना चाहिए।

लाल रंग की साड़ी

हर महिला की अलमारी में एक लाल रंग की साड़ी भी होनी चाहिए। आप शादी के फंक्शन के लिए लाल रंग की कांजीवरम या जॉर्जेट सिल्क साड़ी का चयन कर सकते हैं या मॉर्डन फेमिनिन लुक और कॉकटेल पार्टी के लिए लेस या सेक्विन साड़ी का विकल्प चुन सकते हैं। अपने इन लुक को आप खूबसूरत गोल्डन ईयररिंग्स और गोल्डन सैंडल के साथ पूरा कर सकती हैं।

लाल कोट

सर्दियों में हर तरह के कोट पसंद किए जाते हैं, चाहे वे शॉर्ट हो या फिर ओवरसाइज्ड। इसी वजह से फैशन ट्रेंड बदलने पर भी कोट हमेशा ट्रेंडिंग रहते हैं। रंग की बात करें तो लाल रंग का कोट आपकी अलमारी में जरूर होना चाहिए। अपने लाल कोट को आप कैजुअल व्हाइट या ब्लैक टॉप और क्लासिक ब्लू रिप्ड जींस के साथ पहन सकती हैं। अपने लुक को विंटर बूट्स, ब्लैक स्लिंग बैग और डायमंड स्टड्स के साथ पूरा करें।

क्लासिक लाल टी-शर्ट

अगर आपके पास लाल टी-शर्ट नहीं है तो आपको एक गहरे लाल रंग की टी-शर्ट में निवेश करना चाहिए, क्योंकि यह हर तरह के बॉटम वियर के साथ अच्छा लुक देती है। फॉर्मल लुक के लिए आप अपनी लाल टी-शर्ट को ब्लैक ट्राउजर और एक ओवरसाइज्ड ब्लेजर के साथ पहन सकती हैं। ट्रेंडी लुक के लिए आप इसे ब्लैक लेदर स्कर्ट और बूट्स के साथ भी पहन सकती हैं।

लाल स्कर्ट

लाल रंग की स्कर्ट गॉर्जियस लुक दे सकती है। फिर चाहे यह प्लीटेड या ए-लाइन स्कर्ट ही क्यों ना हो। लाल स्कर्ट को आप किसी भी न्यूट्रल रंग के टॉप के साथ पहन सकती हैं। आप लाल फ्लेयर्ड या ए-लाइन स्कर्ट को सफेद क्रॉप टॉप और हाई हील्स के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो सफेद बटन-डाउन शर्ट के साथ लाल पेंसिल स्कर्ट भी पहन सकती हैं।

जूस क्लींज क्या है?

यह है इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

जूस क्लींज एक तरह की फैड डाइट है जो फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस डाइट में कम फैट होता है और शरीर के अंगों को डिटॉक्सीफाई करने में मदद कर सकती है। इसके लिए पूरे दिन ताजे फल और सब्जियों के जूस का सेवन करना होगा। आइए आज हम आपको बताते हैं कि जूस क्लींज क्या है और इसे अपनाने से कौन-से फायदे और नुकसान हो सकते हैं।

एक से तीन दिनों तक अपनानी होती है यह डाइट

जूस क्लींज एक डिटॉक्स डाइट है जिसे जूस फास्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसके दौरान व्यक्ति थोड़े समय के लिए सिर्फ ताजी सब्जियों या फलों के जूस का सेवन करता है। यह आमतौर पर एक से तीन दिनों तक चलता है। जूस पीने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी काफी मदद मिलती है।

इस तरह से करें जूस का सेवन

कई विशेषज्ञों का मानना है कि मानव शरीर तरल अवस्था में होने पर पोषक तत्वों को आसानी से अवशोषित कर लेता है। लेकिन आप भले ही कोई भी जूस पीएं, उसे हमेशा एकदम पीने की बजाय उसकी धीरे-धीरे घूंट लें। यह पोषक तत्वों के सेवन का अनुकूलन करता है। आमतौर पर आप कुछ घंटों के अंतराल के बाद जूस का सेवन कर सकते हैं। इस तरह से आपको कई तरह के स्वास्थ्य संबंधी लाभ मिलेंगे।

इस डाइट को फॉलो करते समय जरूर बरतें ये सावधानियां

जब एक जूस वाली डाइट को फॉलो करें तो रोजाना कुछ हल्के शारीरिक व्यायामों का अभ्यास जरूर करें क्योंकि इससे शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, आप इसके दौरान अपने दिमाग को आराम देने के लिए मेडिटेशन, प्राणायाम या डायाफ्रामिक एक्सरसाइज आदि का भी अभ्यास कर सकते हैं। दिन में छोटी-छोटी झपकी लेते हैं और रात को अपने समय से थोड़ा पहले सो जाएं।

इस डाइट के फायदे

फल और सब्जियां कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, इसलिए इनसे बने जूस को पीने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं। जूस डाइट को फॉलो करने से शरीर को खोए हुए पोषक तत्व मिलते हैं और यह पूरे दिन आपको हाइड्रेट रखने में मदद कर सकती है। यह आपके सिस्टम को साफ करने में भी सहायक है क्योंकि अधिकांश फल और सब्जियां प्राकृतिक डिटॉक्सिफायर के रूप में कार्य करती हैं।

जूस क्लींज को फॉलो करने के नुकसान

जूस के अलावा कुछ नहीं खाने से स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप जूस में पत्तेदार पालक मिलते हैं तो इससे किडनी की पथरी का विकास हो सकता है क्योंकि इसमें ऑक्सालेट की उच्च मात्रा मौजूद होती है। जूस में कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए गर्भवती महिलाओं और मधुमेह से पीड़ित लोगों को इस डाइट को फॉलो नहीं करना चाहिए क्योंकि यह उनके रक्त शर्करा के स्तर को प्रभावित कर सकता है।

गोल्डन गर्ल बनीं नजर आई एक्ट्रेस डोनल बिष्ट, सिजलिंग अंदाज में दिए कई कातिलाना पोज

बिग बॉस और कलर्स टीवी सीरियल मर्द का नया स्वरूप में नजर आई टीवी एक्ट्रेस डोनल बिष्ट सोशल मीडिया पर भी अपने बोल्ड अंदाज से कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती है। वहीं, फैंस उनकी एक झलक का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने गोल्डन ड्रेस में अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने गोल्डन कलर की शिमरी आउटफिट में कई कातिलाना पोज दिए। डोनल बिष्ट ने इस आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। न्यूड मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने स्मोकी आइज का लुक कैरी कर रखा है। गोल्डन थाई हाई स्लिट आउटफिट में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। डीप बोट नेक आउटफिट में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट का ये कातिलाना अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। फैंस उनके इस लुक के लिए सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। साथ ही हार्ट और फायर इमोजी के कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट के इंस्टाग्राम पर 1.5 मिलियन फॉलोवर्स हैं। डोनल बिष्ट अपने फैंस के लिए अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर मिर्गी के बारे में फैलाई जागरूकता

बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जिन्हें जल्द ही आगामी बायोपिक, सैम बहादुर में भारत की पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है, ने मिर्गी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मिरर सेल्फी साझा की।

उन्होंने स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मिर्गी के बारे में एक सूचनात्मक कैप्शन लिखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बस मिर्गी के बारे में बात करने के लिए एक फोटो पोस्ट करना चाहती थी। कोई प्रासंगिकता नहीं है फोटो और विषय का।मिर्गी क्या है? मिर्गी एक मस्तिष्क विकार है जो मस्तिष्क में रहने वाले तंत्रिका कोशिका गतिविधि में गड़बड़ी के कारण आवर्ती, अकारण दौरे का कारण बनता है।

यदि आपको दो या अधिक अकारण दौरे पड़ते हैं, तो आपको अक्सर मिर्गी का निदान किया जाता है। मिर्गी आनुवंशिक विकार या मस्तिष्क की चोट के परिणामस्वरूप हो सकती है लेकिन बहुत से लोग कभी भी इसका कारण नहीं जानते हैं। उसने अपने नोट में विकार के बारे में कुछ तथ्य भी साझा किए,

एपिलेप्सी के बारे में 5 तथ्य जो सभी को अवश्य जानना चाहिए।

- ■26 में से 1 व्यक्ति को मिर्गी का रोग होगा।
- ■मिर्गी के चार मुख्य प्रकार हैं (फोकल शुरूआत, सामान्यीकृत शुरूआत, संयोजन और अज्ञात)।
- ■अनुमान है कि मिर्गी के साथ रहने वाले लगभग 1/3 लोगों को दवा प्रतिरोधी (उर्फ दुर्दम्य या अट्रैक्टिव) मिर्गी है।
- ■जागरूक होने पर कोई भी कुछ भी कर सकता है, एक जब्ती के दौरान बिगड़ा जागरूकता के साथ किया जा सकता है (चलना, बात करना, खाना)।
- ■लगभग कुछ भी किसी के लिए जब्ती ट्रिगर हो सकता है।

अभिनेत्रियों ने लोगों से विकार के आसपास के कलंक से लड़ने के लिए मिर्गी की अपनी कहानियों को साझा करने का भी आग्रह किया, यहां अपनी मिर्गी की कहानी साझा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें।

फिल्म हनीमून गंतव्य से ज्यादा व्यक्ति के बारे में हैः जैस्मीन भसीन

बिग बॉस 14 फेम जैस्मीन भसीन ने हनीमून को लेकर अपने विचार साझा किए और कहा कि ज्यादातर लोगों के लिए, यह उस जगह के बारे में है जहां वे यात्रा कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए, यह उनके साथ आने वाले व्यक्ति के बारे में अधिक है। इस फिल्म में जैस्मीन गिप्पी ग्रेवाल के साथ नजर आ रही हैं।

32 वर्षीय अभिनेत्री टशन-ए-इश्क और दिल से दिल तक में अपनी भूमिका के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। उन्हें शुरूआत में तमिल फिल्म वनम, तेलुगु फिल्मों वेता और अन्य सहित दक्षिण फिल्मों में देखा गया था।

जैस्मीन अक्सर बिग बॉस 14 में अली गोनी के साथ अपने संबंधों के लिए सुर्खियों में रहती हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए और हनीमून उनके लिए क्या मायने रखता है, उन्होंने कहा, लोग हमेशा एक फैंसी गंतव्य या लंबी आनंदमय छुट्टी के बारे में बात करते हैं जब हनीमून शब्द की बात आती है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए, जब बात आती है हनीमून यह मंजिल नहीं है बल्कि आप जिस व्यक्ति के साथ हैं वह मायने रखता है।

अमरप्रीत छाबड़ा द्वारा निर्देशित, हनीमून एक युवा जोड़े के बारे में है जो हनीमून के लिए जाने का फैसला करता है, लेकिन कहानी एक मजेदार और दिलचस्प मोड़ लेती है जब उनका परिवार उनके साथ जुड़ जाता है क्योंकि वे इसके शाब्दिक अर्थ से अनजान होते हैं।

अमरप्रीत जीएस छाबड़ा द्वारा निर्देशित, पंजाबी फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और जैस्मीन भसीन मुख्य कलाकार हैं।

फिल्म को नरेश कथूरिया ने लिखा है। संगीत बी. प्राक द्वारा दिया गया है और इसे टी-सीरीज फिल्म्स और बावेजा स्टूडियो प्रोडक्शन द्वारा निर्मित किया गया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सभी जीवों को समान देखना और समता रखना सीखो : आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर। चाहे तुम पूर्व में जन्मे हो या पश्चिम में,चाहे उत्तर में जन्मे हो या दक्षिण में, मित्रों भगवान तभी बन पाओगे जब सदृश्य परिणाम होंगे। जब तक जीव एक सदृश्य परिणाम नहीं करेगा,जब तक अनवृत्तिकरण परिणाम नहीं करेगा, चाहे तुम किसी भी वंश में जन्मे हो, परिणाम एक सदृश्य होंगे तब जीव भगवान बनेगा। भगवान बनने की बात तो विशेष है,मित्रों आप साधु भगवंत तभी बन पाओगे जब प्राणी मात्र के लिए परिणाम आपके एक होंगे। ज्ञानियों सभी जीवों को समान देखना सीखो और समता रखना सीखो। यह संदेश आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ने सन्मति नगर फाफाडीह में गुरुवार को दिया। धर्मसभा में आचार्य ने कहा कि पुण्य-पाप के खिलौने भिन्न-भिन्न हो सकते हैं,मटकी की ऊंची-नीची आकृति हो सकती है, पर ज्ञानियों मिट्टी सबकी एक है। ऐसे मित्र कभी यह मत सोचना कि जितने ऊंचे कद वाले हैं पहले मोक्ष जाएंगे। ज्ञानियों सत्य तो यह है न ऊंचे कद वाले मोक्ष जाएंगे, न नीचे कद वाले मोक्ष जाएंगे, मित्रों ऊंचे परिणाम वालों का मोक्ष होगा। मात्र सेठों का मोक्ष नहीं होता, मोक्ष उनको मिलता है जिनके भीतर सब कुछ निकल चुका होता है। जितने गोरे सुंदर आप दिखते हो,जितने सांवले सुंदर आप दिखते हो,मित्रों आपके मुख से शब्द भी उतने सुंदर निकलने चाहिए,जिसे सुनकर लोग आनंदित हो जाएं।

असम के बागदोई शीखला नृत्य की प्रस्तुति

रायपुर। झींझी लोक नृत्य, थारू जनजाति का लोक नृत्य है, यह नृत्य नई फसल आ जाने के उपलक्ष्य में क्वाँर व भादों के महीने में गांव के प्रत्येक घर-घर जाकर महिलाओं द्वारा किया जाता है। यह नृत्य झींझी देवी को समर्पित है। झींझी देवी कलश का ही स्वरूप होता है। जिसे सिर पर धारण कर महिलाए घर-घर जाकर नृत्य व गायन करती है तथा पुरूष वाद्य यंत्र बजाते है। महिलाए घर-घर जाकर नृत्य व गायन करती है उन्हें भेट स्वरूप धान मक्का देते है। सभी घरों में झींझीं खेलने के बाद उस आटे व चावल को इकठ्ठा कर झींझी को एक दैवीय रूप मानकर उसे सभी महिलायें विसर्जन करने के लिए नदी में जाती है।

पहाड़ पारकर स्वास्थ्यकर्मी पहुंचे बेंगपाल, ग्रामीणों को शिविर में मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा । जिले के दूर दराज और संवेदनशील इलाकों के जरूरतमंद लोगों को बीमारियों से बचाने एवं उपयुक्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

छिंदगढ़ ब्लॉक के प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र तोंगपाल से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी में स्थित बेंगपाल ग्राम में बीएमओ डॉ.कपिल कश्यप के निर्देशन में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बेंगपाल जाने के लिये स्वास्थ्यकर्मियों को नदी, पहाड़ी एवं कठिन रास्तों से होते हुए चार किलोमीटर पैदल चलकर जाना पड़ा।

इस बारे में आर.एम.ओ. महेंद्र जायसवाल ने बताया: प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ्य रहे और सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो इस ध्येय के साथ स्वास्थ्य विभाग, अंदरूनी क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों के बीच शिविर लगाकर उनका नि:शुल्क इलाज कर रहा है। संचारी-गैर संचारी बीमारियों पर नियंत्रण एवं रोकथाम के लिये यह शिविर लगाया जा रहा है। बेंगपाल के ग्रामीण जनों के लिये आयोजित शिविर में 35 ग्रामीणों की विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गयी और आवश्यकतानुसार दवाओं का वितरण भी किया गया। इस दौरान स्त्री रोग, खुजली, उच्च रक्तचाप, शुगर, सर्दी खांसी,मलेरिया और कुपोषण के मरीजों की पहचान की गई। अंदरूनी इलाके में स्वास्थ्य शिविर का लाभ मिलने से ग्रामीण काफी खुश हुए ।

स्वास्थ्य शिविर में जांच के लिए आये 68 वर्षीय महंगी सहदेव ने स्थानीय बोली में बताया: वह बहुत समय से जोड़ो के दर्द से परेशान थी, चलने में असमर्थता के कारण स्वास्थ्य केंद्र तक नही जा पा रही थी। परन्तु ग्राम में ही इलाज की सुविधा मिल जाने पर, आज यहाँ अपनी जांच कराने आयी। जांच उपरांत डॉ. ने गठिया (अर्थराइटिस) रोग होने की जानकारी दी साथ ही मुझे नि:शुल्क दवा देते हुए अपने आगे के इलाज हेतु एम्बुलेंस की सहायता से, जिला अस्पताल में पूर्ण उपचार हेतु बात कही । उक्त शिविर में महेंद्र जायसवाल(आर.एम.ओ), आर.ए.यादव (सुपरवाइजर), अर्चना, कुंती मौर्य, उषा बघेल, शस्मिता राव, धनुर्जा पुजारी, सीताराम कश्यप, अन्य स्वास्थ्य कर्मी एवं मितानिन सहित ग्राम के जन प्रतिनिधियों का सहयोग रहा।

हरियाणा के घूमर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से झूम उठे दर्शक

होली, गणगौर पूजा और तीज त्यौहारों के अवसर पर किया जाता है घूमर नृत्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज स्थित मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव के अंतिम दिन हरियाणा के लोक कलाकारों ने घूमर नृत्य की प्रस्तुति सहित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। घूमर नृत्य हरियाणा का एक अनोखा पारंपरिक लोक नृत्य है। नर्तक दल के लीडर सुनील कौशिक ने बताया कि यह नृत्य राज्य के पश्चिमी हिस्सों में लोकप्रिय है। इस नृत्य में नृत्यांगनाओं के वृत्ताकार आंदोलन इ/स नृत्य को अलग पहचान देते हैं।

आमतौर पर राज्य के सीमा क्षेत्र की लड़कियां घूमर का प्रदर्शन करती हैं। नर्तक, जो एक परिपत्र मोड लेते हैं और ताली बजाने और गाने के बारे में आगे बढ़ते हैं, इस नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। लड़कियाँ गाती हैं जब वे एक घूमने वाले आंदोलन में नृत्य करती हैं और संगीत के गति के रूप में लड़कियों के जोड़े बढ़ते हैं और तेज़ी से और तेज़ी से घूमते हैं। साथ के गीत व्यंग्य, हास्य और समकालीन घटनाओं से भरे हुए हैं, जबकि नर्तक जोड़े में घूमते हैं। यह नृत्य होली, गणगौर पूजा और तीज जैसे त्योहारों के अवसर पर किया जाता है। यह भील जनजाति का लोक नृत्य है ।यह नृत्य फसल की कटाई के समय किया जाता है।

यह एक समूह नृत्य है ।यह नृत्य विशेष अवसर पर किया जाता है ।यह नृत्य फसल कटाई के बाद, फसल अच्छे दामों पर बिकने बाद किया जाती है पत्नि अपने पति से विभिन्न तरीके से भिन्न-भिन्न वस्तुओं की मांग करती है और वार्तालाप के माध्यम से इस घुमर नृत्य को प्रस्तुत किया जाता है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारू के समुचित इलाज के लिए दिए निर्देश

घायल खिलाड़ी समारू के बेहतर उपचार के लिए प्रशासन कर रहा हर संभव प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सुंढरू में बीते दिनों कबड्डी खेलते हुए ग्राम घुमरा के समारू केरकेट्टा घायल हो गए थे। हादसे के बाद प्राथमिक उपचार प्रदान कर तत्काल उन्हें बेहतर इलाज के लिए फोर्टिस जिंदल हॉस्पिटल रायगढ़ में बेहतर इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

इधर घटना की जानकारी लगने के बाद मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने घायल समारू के समुचित इलाज के लिए पर्याप्त और हरसंभव व्यवस्था करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। जिला प्रशासन भी लगातार समारू के बेहतर इलाज के लिए प्रयासरत है। कलेक्टर द्वारा हॉस्पिटल प्रबंधन तथा डॉक्टरों से नियमित रूप से समारू के स्वास्थ्य की जानकारी लेकर इलाज के सम्बंध में चर्चा की जाती है। उसके स्वास्थ्य सुधार की जानकारी लेने नियमित रूप से प्रशासनिक अधिकारी पहुंच रहे हैं।

जिला प्रशासन की ओर से तहसीलदार फरसाबहार द्वारा हॉस्पिटल पहुँचकर घायल युवक की स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली गई। तहसीलदार द्वारा समारू के परिजनों से भेंटकर कुशलक्षेम जानते हुए उन्हें आर्थिक सहयोग के साथ ही दैनिक उपयोगी सामग्री प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन उनके साथ है। उन्हें किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

राज्योत्सव में स्टाल लगाकर लोगों को भित्ति कला करा रहे परिचित

छत्तीसगढ़ मटपरई भित्ति शिल्पकला को नया आयाम दे रहे अभिषेक, बीई की पढ़ाई के बाद बनाया करियर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मटपरई भित्ति शिल्प कला हमारी संस्कृति से जुड़ी है। यह ग्रामीण परिवेश के साथ रचनात्मकता को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, यदि लोग मटपरई कला से जुड़ते हैं तो उन्हें अपने अंदर के हुनर को निखारने का अवसर भी मिलेगा। ये बातें पुराना बस स्टैंड डुमरडीह निवासी अभिषेक सपन ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य एवं राजोत्सव 2022 के आयोजन स्थल में लगे स्टाल में कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी से लोगों में भी कला सीखने की ललक जागती है। जब लोग मटपरई भित्ति कला से परिचित होंगे, तो रचनात्मकता व नई शैली के साथ इसमें कार्य करेंगे, वे इस क्षेत्र में रोजगार भी पा सकेंगे। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने बीई किया है, वे अपने पूर्वजों द्वारा बताए गए शिल्पकला को सहेजने का प्रयास कर रहे है। इसे वे अपने जीवन में रोजगार के रूप में भी अपना रहे हैं। आगे चलकर भी इसी दिशा में वे काम करेंगे। अभिषेक सपन छत्तीसगढ़ के एकमात्र कलाकार है, जिन्होंने विलुप्त हो चुकी मटपरई कला को जीवंत कर मटपरई कला को बना रहे है तथा जनमानस तक पहुँचने की कोशिश कर रहा है। मटपरई कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति लोकनृत्य, लोककथा, लोककहानी, लोक परंपरा, तीज त्यौहारो, पशु पक्षी, देवी देवताओं की कृति अपनी कल्पनाशीलता से बना रहा है।

ऐसे तैयार की जाती है मटपरई भित्ति शिल्पकला

मट-मिट्टी, परई कागज व खल्ली की लुगदी इन सभी को वस्तुओं सड़ा कर बनाई गई कला मटपरई कला कहलाती है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन कला है, जिसे बड़े-बुजुर्गों द्वारा बनायी जाती थी। परंतु वर्तमान में ये कला विलुप्त हो गई है। हमारी युवा पीढ़ी छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर में पहुँचाने का प्रयास कर रही है।

राज्योत्सव में मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

विलुप्त हो रही कला कृति को राज्योत्सव के मौके पर लोग देखकर खुश हो रहे है। ऐसे कला को लोग जानने के लिए उत्सुक नजर आ रहे है।

राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के सचिव मो शाहिद बने राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रभारी

विधानसभा चुनाव के पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के युवा नेता युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद शाहिद को राजस्थान युवक कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त कर एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है । यह नियुक्ति युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर की गई है। राष्ट्रीय युवक कांग्रेस के कार्यालय प्रभारी राहुल यादव इसकी जानकारी दी है। राजस्थान में अगले वर्ष होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए मो शाहिद को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

ज्ञात हो की मोहम्मद शाहिद पूर्व में गुजरात का भी प्रभार संभाल चुके है जहां दिसंबर महीने में विधानसभा के चुनाव होने है। अब मोहम्मद शाहिद को राजस्थान युवक कांग्रेस का प्रभारी बनाकर एक महत्वपूर्ण जवाबदारी दी गई है। राजस्थान में 2023 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मोहम्मद शाहिद के पूर्व हरपाल सिंह राजस्थान के प्रभारी थी जिन्होंने पार्टी के सिद्धांत एक व्यक्ति एक पद के चलते राजस्थान प्रभारी का पद छोड़ा है । मोहम्मद शाहिद के साथ यहां तीन सह प्रभारियों की भी नियुक्ति राष्ट्रीय युवक कांग्रेस द्वारा की गई है जिसमे वंदना बेन, धीरज सिंह, ऋशम्भर महार शामिल है।

हरपाल सिंह अब युवक कांग्रेस के गुजरात अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे है। मोहम्मद शाहिद की नियुक्ति पर राजस्थान युवक कांग्रेस के नेताओं ने उन्हे बधाई दी है। मोहम्मद शाहिद शीघ्र अपने प्रभार प्रदेश का दौरा कर युवक कांग्रेस की टीम को और मजबूती प्रदान करेंगे ताकि 2023 विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पुन: कांग्रेस की सरकार बने और इसमें युवक कांग्रेस की महती भूमिका हो ।

राजनांदगांव के कलाकारों की प्रस्तुति ने लुभाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ का जनजातीय परिदृश्य अपने प्राकृतिक वातावरण से कितना जुड़ा हुआ है और इसे सहेजने को लेकर कितना सरोकार रखता है इसकी झलक आज राजनांदगांव के कलाकारों द्वारा प्रदर्शित करमा नृत्य में मिली देखने को मिली। इस नृत्य में करम डाल की पूजा कर इसे आंगन में स्थापित करते हैं फिर देवता की पूजा अर्चना करते हैं और नृत्य आरंभ होता है। अनुश्रुति है कि राजा करम सेन की स्मृति में यह नृत्य किया जाता है। यह नृत्य छत्तीसगढ़ के सबसे लोकप्रिय नृत्यों में से एक है। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वाद्ययंत्रों के साथ जब लोककलाकारों के कदम थिरके तो लोग काफी आनंदित हो गये। छत्तीसगढ़ के नृत्य परंपरा की समृद्धि की झलक इस सुंदर नृत्य में दिखी।

खास खबर

नक्सल प्रभावित थाने में तैनात हेड कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड के कोहकामेटा थाने में पदस्थ एक हेड कांस्टेबल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया। घटना गुरुवार सुबह की है। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान बैरक पहुंचे तो वहां हेड

कांस्टेबल का खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था। जिसे तुरंत जिला चिकित्सालय उपचार के लिए पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

धमतरी का रहने वाला था जवानमिली जानकारी के अनुसार मृतक जवान अबूझमाड़ के कोहकामेटा थाना में पदस्थ था। उसने अपनी सर्विस इंसास रायफल से खुद गोली मारकर आत्महत्या की है। मृतक प्रधान आरक्षक अरुण कुमार उइके (40) शिवपुरी, जिला धमतरी का निवासी था। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके गृह ग्राम भेज दिया गया है।

सट्टे में हारी रकम वसूलने के लिए दबाव बना रहा हत्या का फरार आरोपी

बिलासपुर (ए)। सट्टे में हारी रकम को वसूलने के लिए हत्या के मामले में फरार चल रहा आरोपित कांट्रेक्टर को धमकी दे रहा है। कांट्रेक्टर ने इसकी शिकायत एसपी पारुल माथुर से की है। शिकायत के आधार पर तारबाहर पुलिस ने हत्या के फरार आरोपित व सटोरिए के खिलाफ जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

व्यापार विहार में रहने वाले विजय सिंह ठाकुर कांट्रेक्टर है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि तिफरा में रहने वाले प्रेम श्रीवास ने उसे सट्टा खेलना सिखाया। इसके बाद सटोरियों ने कांट्रेक्टर को सट्टे की लत लगा दी। इंडियन प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान विजय सिंह ने सट्टे पर बड़ा दांव लगाया। इसमें वह पहले 40 लाख रुपये जीत गया। बाद के मैच में वह 38 लाख रुपये हार गया। सटोरिया प्रेम श्रीवास ने कांट्रेक्टर की जीती हुई रकम नहीं दी।

उल्टे वह हार की रकम को वसूलने के लिए दबाव बना रहा है। इसकी वसूली के लिए सटोरिए प्रेम श्रीवास हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित वसीम खान को ठेका दे दिया है। अब वसीम खान कांट्रैक्टर के मोबाइल पर काल कर धमकी दे रहा है। लगातार धमकियों से परेशान होकर कांट्रैक्टर ने मामले की शिकायत एसपी पारुल माथुर व पुलिस के अधिकारियों से की। उसने एक आडियो रिकार्डिंग भी पुलिस को सौंपी है। मामले की जांच के बाद तारबाहर पुलिस ने फरार आरोपित वसीम खान व सटोरिया प्रेम श्रीवास के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक ढोलकल शिखर पर विराजे गणेश प्रतिमा से छेड़छाड़

सूंड पर खरोंच कर नाम लिख गए बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के ढोलकल शिखर पर स्थित एतिहासित गणेश की प्रतिमा से छेड़छाड़ कर दी गई। 3 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित 11वीं-12वीं शताब्दी के इस गणेश की प्रतिमा की सूंड पर पत्थर से खरोंचकर किसी ने अपना नाम लिख दिया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद लोगों में नाराजगी है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने भी इस मामले में जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि गणेश की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ किसने की।

बता दें दंतेवाड़ा के ढोलकल शिखर पर विराजे भगवान की गणेश की यह प्रतिमा 11वीं-12वीं शताब्दी का बताया जाता है। करीब 3 हजार फीट की ऊंचाई पर विराजमान भगवान गणेश के प्रति यहां के लोगों में गहरी आस्था है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य व घने जंगलों के बीच होने के कारण यह पर्यटकों की भी पसंदीदा जगह है। हाल के दिनों में ढोलकर के गणेश को देखने लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इस दौरान गणेश की प्रतिमा से छेड़छाड़ की यह कोशिश की जा रही है। यह दूसरी बार है कि किसी ने प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की है। कुछ साल पहले यहां से मूर्ति को ही गहरी खाई में फेंक दिया गया था। प्रशासन ने मूर्ति के टुकड़ों को बटोरकर फिर से जोड़ा था।

शिखर पर सीसी टीवी कैमरे नहीं होने के कारण यहां पर होने वाली बदमाशियों को नहीं देख पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रशासन ने शिखर पर सीसी टीवी कैमरे लगाने की घोषणा की है लेकिन अब लगाया नहीं जा रहा है। ढोलकर शिखर पर विराजे गणेश के प्रति लोगों की आस्था भी जुड़ी है और कई पौराणिक कथाएं भी इस मूर्ति को लेकर बताई जाती है। बहरहाल मूर्ति से छेड़छाड़ को लेकर लोगों में आक्रोश है और इसके जिम्मेदारों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सूंड पर पत्थर से खरोंचकर लिखा गया नाम

ढोलकल शिखर पर स्थित भगवान गणेश की प्रतिमा की सूंड से छेड़छाड़ की गई है। ढोलकल शिखर पर भगवान गणेश की प्रतिमा की देखरेख करने वालों ने इसे गुरुवार को देखा। सूंड पर पत्थर से खरोंचे जाने के निशान हैं और इससे किसी जेडी लिखा गया है। हालांकि यह किसने किया इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस में शिकायत के बाद इस मामले में जांच शुरू कर जांच की जा रही है।

बिलासपुर एसएसपी का फरमान

21 से कम उम्र के युवकों का बार में प्रवेश बंद, जारी किया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के बार में अब बिना आईडी के एंट्री नहीं मिलेगी। साथ ही 21 साल से कम युवक-युवतियों को शराब देने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसे लेकर बिलासपुर पुलिस की ओर से बार संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। ऐसा करने पर बार संचालकों को जेल जाना पड़ सकता है। वहीं रात 12 बजे तक भी बार खुला होने पर मैनेजर और संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बार का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर से अनुशंसा की जाएगी।

जिले के 18 बार संचालकों को एसएसपी पारुल माथुर की ओर से नोटिस जारी किया गया है। इसका मकसद शहर में बढ़ती आपराधिक वारदातों को रोकना है। खास बात यह है कि इन आपराधिक वारदातों में सबसे ज्यादा नाबालिग ही सामने आ रहे हैं। एसएसपी पारुल माथुर ने बताया पिछले कुछ समय से सामने आया है कि कि नाबालिग शराब के नशे में मारपीट, गुंडगर्दी और आपराधिक वारदातें करते हैं। इसकी जांच में पता चला कि कुछ बार में नाबालिगों को एंट्री देकर शराब परोसी जाती है।

दोपहर 12 से रात 12 बजे तक ही खुल सकेंगे बार

एसएसपी माथुर ने कहा कि, छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट में स्पष्ट प्रावधान है कि नाबालिगों को शराब नहीं बेचनी है। साथ ही बार खुलने और बंद होने के भी नियम है कि वो दोपहर 12 से रात 12 बजे तक ही खुल सकते हैं। उन्होंने कहा कि नाबालिगों को नशे और अपराध से दूर रखने के लिए बार संचालकों को ऐसे निर्देश जारी किए गए हैं। अब बार में आईडी देखकर ही संचालक और मैनेजर लड़के-लड़कियों को एंट्री दे सकेंगे। इसका पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खड़ी हाइवा से टकराने पर बाइक सवार युवक की मौत

पाली (ए)। राष्ट्रीय राजमार्ग में खड़े एक हाइवा से टकरा कर बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। वर्तमान में बगदेवा से लेकर पतरापाली- कटघोरा तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है। इस दौरान अनेक वाहन सड़क किनारे खड़े रहते हैं, इससे दुर्घटना होने पर कई लोगों की जान जा चुकी है। बावजूद ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सड़क निर्माण कार्य में लगी दिलीप बिल्डकान कंपनी की हाईवा क्रमांक एमएच 23 एयू 2611 बुधवार की रात सड़क किनारे खड़ी थी। बुधवार रात एक बजे लहरापारा निवासी प्रदीप कुमार पिता सुरित जाति गोंड 26 वर्ष अपने घर से बाइक क्रमांक सीजी 04 एमएम 0694 में सवार होकर सरायपाली खदान ड्यूटी पर जा रहा था। तभी मार्ग में विनायक हास्पिटल के पास सड़क किनारे खड़ी हाईवा वाहन से जा टकराया। तेज रफ्तार होने की वजह से घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पाली पुलिस स्थल पर पहुंची और वैधानिक कार्रवाई के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही हाइवा चालक के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना कर रही है। गुरूवार को शव का पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया। घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराजगी व्याप्त है। उनका कहना है कि निर्माण एजेंसी द्वारा अक्सर भारी वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर रहे हैं और दुर्घटना का शिकार होने पर लोगों की जान जा रही है। उन्होंने सड़क किनारे भारी वाहनों को खड़ा करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

चलते वाहन में जुआ खेलते 16 पकड़े गए, 13 हजार 560 रुपये जब्त

कोरबा। चलते हुए स्वराज माजदा वाहन में बैठ कर जुआ खेलने पर भी पुलिस की नजर से जुआंरी नहीं बच पाए और पुलिस ने घेराबंदी कर जुआं खेलते16 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपितों के पास से 13 हजार 560 रुपये, 52 पत्ती ताश व स्वराज माजदा वाहन क्र सीजी 11 एवाई 7693 जब्त कर धारा 13 जुआ एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की।

दीपावली पर्व पर जुआ खेलने वालों को खिलाफ पुलिस द्वारा अभियान चलाते हुए कार्रवाई की जा रही है। गुरूवार को पुलिस को सूचना मिली की एक स्वराज माजदा में जुआं खेला जा रहा है। रामपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कृष्णा साहू को मुखबिर ने बताया कि बाल्कोनगर की ओर से एक स्वराज माजदा वाहन क्रमांक सीजी 11 एवाई 7693 आ रही है, उक्त वाहन के ट्राली में बैठकर कुछ लोग जुआं खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने वाहन को आईटीआई चौक रोक कर जांच की, तब उसके ट्राली में बैठकर 16 लोग जुआं खेलते मिले। इनमें पवन कुर्मी, तरेंद्र यादव निवासी पोड़ीभट्ठा अकलतरा, दशरथ राठौर निवासी जवाहर नगर वार्ड नंबर छह अकलतरा, संतोष कुमार साहू गणेश राम साहू, संत कुमार साहू, अशोक साहू, पतराम साहू, जुगनू साहू, नंद कुमार सभी निवासी पोड़ीभट्ठा, सीताराम यादव निवासी पुरानी बस्ती मोहल्ला, शशि पटेल, सुंदर लाल साहू, श्याम कार्तिक निवासी परसाहीनाला, अशोक दास दास निवासी चूना भट्ठा, प्रियांशु कुमार पटेल निवासी पंडरिया दलहा पटेलपारा सभी थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा शामिल हैं।

हास्पिटल से सामान उड़ाने वाले सुरक्षा गार्ड ही निकले, दो गिरफ्तार

रायपुर। डेढ़ महीने पहले तेलीबांधा इलाके के प्रज्ञा हास्पिटल से सामान उड़ाने वाले कोई और नहीं, बल्कि वहीं के दो सुरक्षा गार्ड निकले। पुलिस ने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो गार्ड ही काउंटर से चाबी चुराकर हास्पिटल के स्टोर रूम में रखे सामान को उड़ाते हुए कैमरे में कैद दिखाई दिए। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया। तेलीबांधा पुलिस के मुताबिक 22 सितंबर को प्रज्ञा हास्पिटल के स्टोर रूम के ताले की चाबी चोरी कर स्टोर रूम खोलकर अज्ञात चोरों ने वहां से एक नग ड्रिल मशीन, एक नग वाटर कूलर कम्प्रेशर, दो नग स्ट्रेचर चक्का, एक नग हथौड़ा और कुछ चाबी का गुच्छा पार कर दिया था।

लड़की ने प्यार से किया मना तो सिरफिरे आशिक ने धारदार हथियार से किया हमला, फिर खुद भी झूल गया फंदे पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामगांव आर थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्रेम में पहले युवती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उसके बाद खुद भी फंदे पर जाकर झूल गया। युवती की चीख सुनकर पहुंचे परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए जहां गंभीर हालत में उसका उपचार चल रहा है।

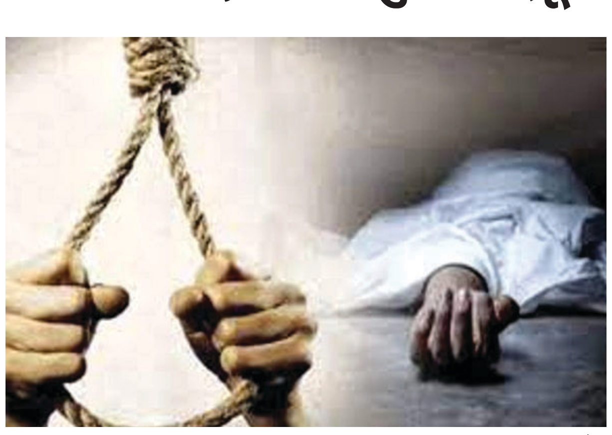

चीख सुनकर पहुंचे माता-पिता

पुलिस ने बताया कि घटना ग्राम गब्दी की है। वहां रहने वाले श्रवण कुमार नेताम (22 वर्ष) अपने पड़ोस की युवती से एक तरफा प्रेम करता था। युवती उसे पसंद नहीं करती थी। 1 नवंबर की देर शाम अचानक आरोपी युवती के घर पहुंचा। वह युवती से कहने लगा कि वह उससे बहुत प्यार करता है। अगर वो उसकी नहीं होगी तो किसी और की भी नहीं होगी। आरोपी ने युवती के गले में वार कर दिया। जिससे युवती खून से लथपथ जमीन पर गिर गई। युवती के माता-पिता चीख सुनकर अंदर पहुंचे तो आरोपी युवक वहां से फरार हो गया।

युवक की पेड़ पर लटके मिली लाश

पुलिस आरोपी श्रवण को पकडने के लिए तलाश कर ही रही थी कि उन्हें पता चला कि उसने फांसी लगा ली है। पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस गब्दी गांव के सुनसान क्षेत्र में खेत किनारे पहुंची। वहां पेड़ पर आरोपी युवक ने फांसी लगा ली थी। युवक के शव को पीएम के लिए भेजकर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No. 07749-222370, Email Id- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/20/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2022-23 बालोद, दिनांक 02.11.2022

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में डी वर्ग एवं उच्च वर्ग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित निविदा (E-Tender) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकूप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑनलाईन निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 17.11.2022 को अपरान्ह 5.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है तथा चूंकि ऑनलाईन निविदा दिनांक 17.11.2022 तक प्रस्तुत की जानी है. अतः मैनुअल दस्तावेज (अमानत राशि, सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज) स्पीड पोस्ट के माध्यम से इस कार्यालय में दिनांक 21.11.2022 तक अपरान्ह 5.30 बजे शाम तक पहुंचना अनिवार्य है. निर्धारित समय पश्चात् प्राप्त होने वाले दस्तावेजों को मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जावेगा. तकनीकी दस्तावेज खोलने के बाद निविदाकार तीन कार्य दिवस के अंदर ही अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है. उसके बाद प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा. दावा आपत्तियों का निराकरण पश्चात ही निविदा खोला जावेगा.

कार्य का नाम:-

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाटाबोड़ में अतिरिक्त कक्ष निर्माण टेण्डर नं. 113148
2. उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण हितापठार टेण्डर नं. 113149
3. उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण सिंघोला टेण्डर नं. 113150

तीनों कार्यों के प्रत्येक कार्य हेतु निविदा की राशि रु. 29.16 लाख, निविदा प्रपत्र का मूल्य- 1500/-, अमानत राशि रु. 29200/-, कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह, ठेकेदार की श्रेणीः- डी वर्ग एवं उच्च वर्ग

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in एवं https://res.cg.gov.in/ या अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है, दिनांक 02.11.2022 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है.

जी-95449/4

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला- बालोद (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

शहर के तीनों ओवरब्रिज सहित चौक चौराहों से निगम द्वारा हटाया गया अवैध बैनर, पोस्टर

दुर्ग। नगर निगम की टीम ने गुरुवार को विशेष अभियान चलाकर शहर में विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग, बैनर व पोस्टर हटाए। बैनर व पोस्टर शहर के विभिन्न चौकों,पार्कों, दीवारों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगे हुए थे।नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने शहर में अवैध रूप से लगे बैनर,पोस्टर हटाने के निर्देश दिए। शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे बैनर, पोस्टरों को हटाने के लिए अतिक्रमण अधिकारी शिव शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शिव शर्मा की टीम रेलवे रोड पर रेलवे स्टेशन चौक अग्रसेन चौक,पोटिया चौक, जेल तिराहा चौक, गंज पारा चौक सहित धमधा नाका ओवरब्रिज,ठगड़ा बांध ओवरब्रिज, रायपुर नाका ओवरब्रिज के विद्युत पोल पर सजे बैनर,पोस्टर को निगम द्वारा हटाया गया साथ ही अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बिना निगम की अनुमति अवैध रूप से लगाए गए बैनर व पोस्टर जप्त किया गया। टीम ने बैनरों को दो दिनों में 6 सौ बैनर पोस्टर को निगम ने जब्ती कर निगम में पहुचाया।

जेवर कारीगर के लिए दुर्ग में एक पार्क बनाया जाएगा - सांखला

दुर्ग। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष एवम दुर्ग सराफा व्यवसाई संघ के अध्यक्ष प्रकाश सांखला, दुर्ग चेंबर के चेयर मेन पवन बड़जात्या, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजय चौबे, लघु उद्योग भारती(सर्विस इकाई) के कार्यलय प्रभारी डी.प्रसाद ने लघु उद्योग भारती के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व साडा अध्यक्ष एवम भारतीय जनता पार्टी के नेता सत्यनारायन अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। इसी तारतम्य में प्रकाश सांखला ने अग्रवाल से उनके लघु उद्योग भारती के अनुभव को ध्यान में रखते हुए जेवर कारीगर के लिए दुर्ग में एक पार्क बनाए जानें हेतु सलाह मशविरा किया इस पर सारगर्भित चर्चा हुई! इसी कड़ी में उपरोक्त पदाधिकारियों ने लघु उद्योग भारती के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश अग्रवाल से भी इस विषय में सारगर्भित चर्चा कर सरकार की प्राइवेट इंडस्ट्रियल स्टेट की पालिसी पर चर्चा कर जेवर कारीगरों के लिए नई संभावनाओ को तलाशने हेतु बात की। सांखला ने बताया की इसी कड़ी में आगामी दिनों में दुर्ग के जेवर कारीगरों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन भी किया जाना प्रस्तावित है।

बीएसपी के वेंडरो/ठेकेदारों के लिए जेम पोर्टल पर एक कार्यशाला और संवाद सत्र का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के तहत कांटैऊक्ट-सेल (नॉन-वर्क्स) द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के विक्रेताओं/ठेकेदारों के लिए 02 नवम्बर 2022 को गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर एक इंटरेक्शन सत्र और कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस संवाद सत्र में विक्रेताओं/ठेकेदारों और ऑपरेटिंग अथॉरिटी सहित लगभग 125 प्रतिभागी उपस्थित थे। जेम पर कार्यशाला का संचालन छत्तीसगढ़ के रिज़नल बिजनेस फैसिलिटेटर अमित उपाध्याय द्वारा किया गया था। उन्होंने सत्र के दौरान रजिस्ट्रेशन प्रोसेस, बिड सबमिशन करने और जेम पोर्टल से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। ठेकेदारों/विक्रेताओं ने इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करने के लिए कांटैऊक्ट-सेल के कार्यों की सराहना की है।

ओवर ब्रिज के नीचे बनेगा सुव्यवस्थित पार्किंग स्थल, यातायात होगा दुरुस्त

आकर्षक लैंडस्कैपिंग से बढ़ेगी शहर की रौनकता, निर्माणाधीन ओवरब्रिज का तेज गति से होगा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई की सीमा क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का अवलोकन करने आज महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने नेशनल हाईवे के अधिकारियों के साथ पूरे हाईवे का निरीक्षण किया। महापौर एवं निगम आयुक्त ने नेशनल हाईवे के अधिकारियों को कहा कि निर्माणाधीन ओवरब्रिज का काम तेज गति से गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए किया जाए, इसके लिए संसाधनों को भी बढ़ाकर कार्य करने कहा गया।

नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग स्थल का निर्माण किया जाएगा, साथ ही आकर्षक लैंडस्कैपिंग भी होगी जिससे शहर की रौनकता भी बढ़ेगी। इसके लिए और बेहतर प्लान तैयार करने के निर्देश आयुक्त ने दिए। पार्किंग स्थल पर प्रवेश एवं निकासी का भी ध्यान रखा जाएगा, पार्किंग स्पेस पर भी चर्चा की गई। पावर हाउस मार्केट एवं चंद्रा मौर्या चौक जैसे अन्य प्रमुख स्थानों पर बढ़ते ट्रैफिक से छुटकारा मिलेगा। सड़कों पर धूल और मिट्टी के गुब्बार से निजात दिलाने के लिए हाईवे में बचे हुए सड़कों के मरम्मत एवं संधारण को शीघ्र करते हुए, जीआई शीट हटाकर पूरे मलबा को हटाने के निर्देश इस दौरान नेशनल हाईवे के अधिकारियों को दिए गए। नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने बताया कि इसका काम प्रारंभ कर दिया गया है। इस पर तेज गति से काम करने आयुक्त ने कहा। बंद पड़े टोल नाका पर भी चर्चा की गई, इसके साथ ही सड़कों के किनारे पानी निकासी के लिए उचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। महापौर एवं आयुक्त ने कहा कि ड्रेन का निर्माण ऐसा हो कि पानी निकासी आसानी से हो जाए तथा बस्तियों में पानी घुसने की नौबत न आए। नेशनल हाईवे के डिवाइडर में आकर्षक पौधे रोपित किए जाने के लिए इसकी विस्तृत कार्य योजना एनएच के अधिकारियों के द्वारा बनाई जाएगी, इसके बाद इस पर शीघ्रता से अमल किया जाएगा। नेशनल हाईवे के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए भी अधिकारियों के द्वारा और बेहतर प्लान तैयार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने भिलाई में निरीक्षण के दौरान नेशनल हाईवे के द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए थे। आज महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने भिलाई निगम की सीमा डबरा पारा चौक से लेकर नेहरू नगर चौक तक का जायजा लेकर नेशनल हाईवे के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और समय सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करने कहा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, नेशनल हाईवे के एसडीओ गोविंद अहिरवार, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, ट्रैफिक पुलिस विभाग के अधिकारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट मे सीए,सीएमए की कक्षाएं 7 नवंम्बर से होगी प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सी.ए./सी. एस. सी. एम. ए. में अग्रणी संस्था डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट मे सी. ए. सी. एम. ए. की कक्षाएं 7 नवंम्बर से प्रारंभ हो रही है, उक्ताशय की जानकारी संस्था संचालक डॉ. संतोष राय (कॉमर्स गुरू) ने दी। उन्होंने आगे बताया कि संस्था में सभी विषय, विषय विशेषज्ञो द्वारा पढाये जाते है।

विगत कई वर्षो से संस्था के अनेक छात्र-छात्राएं सी.ए./ सी. एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर मल्टीनेशनल कंपनीयों में कार्यरत है। आज संस्था में न केवल छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राएं वरन् उड़ीसा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के छात्र-छात्राएं भी अध्ययनरत् हैं। छात्र-छात्राओं के सर्वागिंण विकास हेतु समय-समय पर विषय विशेषज्ञो के सेमीनार संस्था द्वारा आयोजित कर छात्रो को प्रशिक्षित किया जाता है।

संस्था परसनाल्टी डव्लपमेंट, फेस टू फेस काउंसलिंग, पढने् में मन नहीं लगता, अत्याधिक मोबाईल का प्रयोग, चिड़चिड़ाहट आदि विषयों पर डॉ. मिू छात्र-छात्राओं को इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक ऊर्जा उन्ही के शब्दों में समझाती हैं। संस्था मे कॉमर्स के सभी विषय पढाये जाते है। संस्था में शाम 7.30 से 8.30 बजे नि:शुल्क छात्र-छात्राओं को पैरेन्ट्स के साथ कैरियर काउंसिलिंग की जाती हैं। संस्था में प्रोफेशनल शिक्षको की एक सशक्त टीम हैं जिसमें प्रमुख रूप से स्वंय डॉ. संतोष राय (कॉमर्स गुरु), डॉ. मिू, सी.ए. प्रवीण बाफ्ना, सी. ए. द्विव्या रत्नानी, सी. ए. केतन ठक्कर, डॉ. पीयूष जोशी, सी. एम. ए. अदिती गंगवानी, अविनाश कौर, सिमरन कौर द्वारा छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाता हैं। वहीं डॉ. संतोष राय स्वंय आज भी कॉमर्स में 13 घंटे की मैराथन क्लास प्रतिदिन लेते हैं।

सतर्कता विभाग बीएसपी ने किया सत्र का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) हिमांशु दवे द्वारा सीआईएसएफ यूनिट सेक्टर-3 में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए सतर्कता और पीआईडीपीआई के कार्यप्रणाली'' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया था। यह सत्र ''एक विकसित राष्ट्र के लिए-भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' विषय पर आधारित था।

यह सत्र भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के अंतर्गत आयोजित किया गया था। सत्र में केंद्रीय सतर्कता आयोग के गठन के इतिहास, इसकी संरचना और गतिविधियों को शामिल किया गया और मुख्य रूप से केंद्र सरकार के संगठनों जैसे सीआईएसएफ और सार्वजनिक अनुभाग इकाइयों में सतर्कता विभाग के कार्यों और पीआईडीपीआई संकल्प के उपयोग पर जोर दिया गया। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक उपकरण के रूप में पब्लिक इंटरेस्ट डिस्क्लोजर एंड प्रोटेक्शन ऑफ इन्फॉर्मर रेजोल्यूशन 2004 के उपयोग पर आधारित व्याख्यान दिया गया। एक लघु वीडियो क्लिप के साथ-साथ बीएसपी द्वारा पीआईडीआईपी संकल्प 2004 के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार के लिये 'मैं सतर्क हूँ'।

संभागायुक्त ने धान उपार्जन केन्द्र ढाबा का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभागायुक्त महादेव कावरे ने आज राजनांदगांव जिले के धान उपार्जन केंद्र ढाबा पहुंचकर धान खरीदी का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने यहां धान बेचने आए किसान सूर्यकांत गुप्ता, नितिन गुप्ता और धनेश बंजारे का तिलक लगाकर, फूल माला पहनाकर व नारियल भेंट कर स्वागत किया।

संभागायुक्त कावरे ने किसानों से बात कर उनका हालचाल जाना। संभागायुक्त ने पूछा कि उनके खेतों में इस साल फसल उत्पादन की

क्या स्थिति है। किसानों ने बताया कि समय पर सही बारिश होने और मौसम अनुकूल होने से अपेक्षित उत्पादन हुआ है।

इस दौरान संभागायुक्त ने धान खरीदी केंद्र प्रभारी से कहा कि किसान कड़ी मेहनत कर धान उत्पादन करता है। किसान की मेहनत का वाजिब दाम मिले और उनके काम का सम्मान हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केंद्र में छाया व बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से बनाए रखें। उन्होंने कहा कि एक दिन में जितने किसानों से धान की खरीदी हो सके, उतने ही किसानों को धान खरीदी केंद्र में बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा ना हो कि कोई किसान धान बेचने के लिए आए और उसे अनावश्यक रूप से अधिक समय तक रूकना पड़े। इस दौरान संभागायुक्त ने धान तौलाई का भी मुआयना किया। उन्होंने कहा कि वाजिब ढंग से सही माप में तौल करें। संभागायुक्त कावरे के साथ कलेक्टर डोमन सिंह ने धान केंद्र का मुआयना करते हुए आवश्यक व्यवस्था बनाने और किसानों के साथ सहयोग बनाए रखने कहा।

शकुन्तला विद्यालय में एनोवेटिव स्टार्टअप सेमीनार का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के नियमानुसार शकुन्तला ग्रुप्स ऑफस्कूल्स के ऑडिटोरियम में व्यवसाय योजना और उद्यमिता पर वेबिनार आयोजित की गई। जिसमें मुंबई आई.आई.टी. द्वारा प्रख्यात संसाधन व्यक्ति सौरभ अग्रवाल को नामित किया गया।

जिसमें शारदा विद्यालय रिसाली सेक्टर और शकुन्तला विद्यालय रामनगर भिलाई के कक्षा 6वीं से 12वीं के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

सौरभ अग्रवाल जी एपी स्पेट एण्ड पावर टेक प्राईवेट लिमिटेड सिलतारा रायपुर, शिवालय इस्पात एण्ड पावर लिमिटेड बोरझारा रायपुर और रियल स्पैट एण्ड पावर लिमिटेड (जी के टी एमटी ब्रांड) बोरझोर रायपुर की संस्था से भी जुड़े है। अपने गंभीर अनुभव प्रेरक पथ-प्रदर्शक विषय को समय-समय पर विभिन्न लेखों व पुस्तक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाते रहे हैं। इस सेमिनार में अपने वक्तव्य में कुछ सूत्र, कुछ तकनीक, कुछ योजना, कुछ घटनाओं से किशोर मन को स्टार्टअप के लिए नवीन दिशा दी और प्रभावित योजनाओं से आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दर्शाया। मंच संचालन और आभार प्रदर्शन की भूमिका में रमिन्दर कौर ने प्रवक्ता को संबोधित करते हुए कहा- कि कच्ची उम्र में पक्के इरादे लेकर अपने विशेष कौशल से किशार सुनहरे भविष्य की योजना बनाएगे, जिसमें आपके विचार उन्हें सकारात्मक दिशा देंगे।

इस अवसर पर ग्रुप ऑफस्कूल्स के डायरेक्टर संजय ओझा, प्राचार्य विपिन ओझा, एडवाइजर गजेन्द्र भोई, प्राचार्या आरती मेहरा (शकुन्तला विद्यालय क्र-2), मैनेजर ममता ओझा, प्राचार्य सुतापा सरकार (शारदा विद्यालय रिसाली सेक्टर), व्ही. दुबे, अभय दुबे, उपप्राचार्या जी. रंजना कुमार, अनिता नायर, हेड मिस्ट्रेस अर्चना मेश्राम, सीनियर मिस्ट्रेस बलजीत कौर, सीनियर एक्टिविटि इंचार्ज पूजा बब्बर, प्रभारी राजेश वर्मा,एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं इस कार्यशाला की सराहना की।

इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 में वाद-विवाद प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022' के अंतर्गत सप्ताह भर चलने वाले विभिन्न आयोजनों और प्रतियोगिता की कड़ी में दिनांक 02 नवम्बर, 2022 को कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के लिए इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी (ईएमएसएस) स्कूल, सेक्टर-7, भिलाई में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

प्रतियोगिता में भिलाई और आसपास के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। बीएसपी के उप महाप्रबंधक (सतर्कता) अनिकेत ओझा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं सम्मानित अतिथियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर कार्यक्रम की शुरुवात की। वाद विवाद प्रतियोगिता का संचालन भी अनिकेत ओझा द्वारा किया गया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत के बिना विकसित भारत संभव है? प्रतियोगिता अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में आयोजित की गई थी। स्कूत्री छात्रों ने अपने नवीन विचारधाराओं को व्यक्त किया। कुछ छात्रों ने प्रस्ताव के पक्ष में बात की तो कुछ ने प्रस्ताव के विपक्ष में विचार प्रस्तुत किए। छात्रों द्वारा इस प्रतियोगिता में प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में कई विचारोत्तेजक और न्यायोचित तर्क प्रस्तुत किए गए।

वाद-विवाद प्रतियोगिता अंग्रेजी में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान क्रमश: मोनाली डे, (बीएसपी, सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10), पी लावण्या (शंकराचार्य विद्यालय, सेक्टर-10), निरंजना प्रमोद (डीपीएस-भिलाई) ने प्राप्त किया।

खुर्सीपार क्षेत्र के बैकलाइन में सीवरेज लाइन को बेहतर करने बनेगी कार्ययोजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार क्षेत्र के बैक लाइन में सफाई व्यवस्था, सीवरेज लाइन की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। इसके लिए आज महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त रोहित व्यास एवं बीएसपी के अधिशासी निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन मिलिंद गदरे ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर बीएसपी क्वार्टर के पीछे का जायजा लिया, इस दौरान भोपाल से आए हुए सीवरेज एक्सपर्ट मोहित शर्मा की टीम भी मौके पर मौजूद रही। खुर्सीपार क्षेत्र के क्रांति मार्केट, शास्त्री नगर एवं सुभाष मार्केट में बने बीएसपी क्वार्टर के बैकलाइन की स्थिति देखी गई।

बारिश के दिनों में बैकलाइन में ओवर फ्लो की स्थिति निर्मित होने की संभावना बढ़ जाती है और पानी निकासी में भी दिक्कतें होती है।

इन सभी समस्याओं के मद्देनजर आज संयुक्त निरीक्षण किया गया। हालाकि कुछ स्थानों पर बैक लाइन की सफाई की शुरुआत बीएसपी ने की है। सफाई को लेकर निगम एवं बीएसपी के अधिकारियों ने बीएसपी क्वार्टर के पीछे की स्थिति का अवलोकन किया। सफाई के साथ ही सीवरेज लाइन को बेहतर बनाने की कार्य योजना तैयार करने तथा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी निकासी कर पहुंचाने की व्यवस्था पर चर्चा की गई।

अंडरग्राउंड सीवरेज लाइन तथा बैकलाइन के सौंदर्यीकरण पर ध्यान देते हुए कार्य योजना तैयार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि विधायक देवेंद्र यादव ने हाल ही में खुर्सीपार क्षेत्र में भेंट मुलाकात के दौरान सीवरेज लाइन को दुरुस्त करने के लिए बेहतर प्लान तैयार करने महापौर व निगम के अधिकारियों से चर्चा की थी। जिस पर आज संयुक्त निरीक्षण किया गया। स्थानीय पार्षदों ने बीएसपी के अधिकारियों को बैक लाइन की स्थितियों से अवगत कराया।

सड़कों के मरम्मत एवं संधारण की दिशा में निगम युद्ध स्तर पर काम कर रहा है आज इसके काम का प्रोग्रेस महापौर व आयुक्त ने देखा तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। संयुक्त निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि डी.कॉम. राजू, पार्षद एम. लक्ष्मी गोपाल व के जगदीश कुमार, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े तथा बीएसपी के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

मोर शहर मोर जिम्मेदारी: अधिकारी उतरेगे मैदान में, आयुक्त ने सौपी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम/मोर शहर मोर जिम्मदारी के तहत कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने मोर शहर मोर जिम्मेदारी अभियान पर बैठक में चर्चा करते हुए इसे जागरूक और जनसहयोग का अभियान बताया जिससे लिए उन्होंने हर कालोनी और बाजार क्षेत्र में लोगो का एसोसिएशन बनाने के लिए कहा।

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने आज मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत आदेश जारी करते हुए अधिकारी व कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।मोर शहर मोर जिम्मेदारी अभियान के लिए जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम साथ मिलकर वेलफेयर के कार्य को और बेहतर स्वरूप दे सके। आयुक्त लोकेश चंद्राकार ने अधिकारियों को निदेर्शित किया कि चौक चौराहों को व्यवस्थित कर उसके सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाए। मार्केट क्षेत्र,नया बस स्टैंड सहित अन्य वहां पर पार्किंग की व्यवस्था करें, पुरुष एवं महिलाओं के टायलेट और आमजन के सिक्योरिटी के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

इसके अलावा उन्होंने गौठानों के लिए डेली बेस पर डेली रिर्पोट बनाने और खटालों द्वारा गंदगी फेलाये जाने के स्थित में संचालकों से सख्ती से जुर्माना लेने के लिए अधिकारियों को कहा।

प्रकाशचन्द थवानी, प्र0सहायक अभियंता को लाइट व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया है।यात्री प्रतीक्षालय में विज्ञापन हेतु निविदा प्रक्रिया के माध्यम से रख-रखाव एवं संचालन तथा सफाई व्यवस्था के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु जावेद अली, बाजार अधिकारी को अधिकृत किया गया है।निकाय क्षेत्रान्तर्गत मोर शहर मोर जिम्मेदारी अभियान के तहत् मुख्य मार्गो के पोल में सफेद कलर वाली एलईडी रोप लाइट लगाया जावेगा साथ ही मोर शहर-मोर जिम्मेदारी अभियान के तहत् कार्य कराये जाने हेतु अधिकारी / कर्मचारियों को प्रभार सौपा गई है जिसमे

प्रमोद दुबे, कार्यपालन अभियंता, एस0डी0 शर्मा, प्रभारी कार्यपालन अभियंता, प्रकाशचन्द थवानी, प्रभारी सहायक अभियंता को दायित्व सौंपा गया है।सहायक अभियंता एवम उप अभियंता के साथ साथ जावेद अली, बाजार अधिकारी थानसिंह यादव, प्रभारी सहायक बाजार अधिकारी को दायित्व सौंपा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950